Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 227 | गुरुवार, 27 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

स्नातक में पढ़ने वाली 50 हजार बेटियों को स्कूटी अक्टूबर-नवंबर में: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का किया शुभारंभ

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

- 60 वर्ष व उससे अधिक आयु की प्रदेश की महिलाएं परिवहन निगम की बसों में कर सकेंगी नि:शुल्क यात्रा
- चूल्हे से चेक, चेक से कारोबार और कारोबार से टेक्नोलॉजी तक पहुंच रहीं महिलाएं: मुख्यमंत्री
- 2017 से पहले यूपी की हर योजना पर मंडराती थी कमीशनखोरी की 'काली छाया'- मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षाबंधन से ठीक पहले नारी शक्ति को कई सौगातें दीं। उन्होंने घोषणा की कि स्नातक में पढ़ने वाली 50 हजार बेटियों को अक्टूबर-नवंबर में स्कूटी दी जाएंगी। सीएम ने 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का शुभारंभ किया, जिसके तहत उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में 60 वर्ष व उससे अधिक आयु की प्रदेश की महिलाएं नि:शुल्क यात्रा कर सकेंगी। सीएम ने रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में 27 से 29 अगस्त तक महिला व एक सहकर्मी को नि:शुल्क बस यात्रा की सुविधा दिए जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिलाएं अब चूल्हे से चेक, चेक से कारोबार और कारोबार से टेक्नोलॉजी तक पहुंच रही हैं।

पहले हर योजना पर मंडराती थी कमीशन की 'काली छाया'

सीएम ने कहा कि 2017 के पहले 'देख सपाई-बिटिया घबराई' का नारा तत्कालीन गवर्नेंस मॉडल का नाम था, जब हर बेटी की सुरक्षा पर संकट था। सुरक्षा, सम्मान नहीं था तो स्वावलंबन कहां से होता।

इंटीग्रेटेड हेल्पलाइन, कमांड सिस्टम, सीसीटीवी नेटवर्क, महिला बीट सिस्टम, महिला हेल्पडेस्क भी नहीं थी। पेंशन व छात्रवृत्ति बिचौलिए तय करते थे। पुष्टाहार पर माफिया का कंट्रोल था। उत्सव से पहले उपद्रव होते थे। कर्फ्यू लगने पर माताओं-बहनों को सर्वाधिक परेशानी होती थी। लैंड, सैंड, वन, पशु, नकल व भू-माफिया प्रदेश की पहचान थे।

माफिया सिंडिकेट की समानांतर सत्ता चलती थी। बुंदेलखंड में माताओं की जिंदगी मटके में पानी ढोते-ढोते व्यतीत हो जाती थी। गरीबों के घर में शौचालय नहीं था। वृद्धावस्था, निराश्रित महिला पेंशन, छात्रवृत्ति समेत हर योजना पर कमीशन की 'काली छाया' मंडराती थी। योजनाओं के पैसे बीच में ही गायब हो जाते थे। बेटी के जन्मदिन पर खुशी नहीं, बल्कि चिंता होती थी क्योंकि परिवार को पढ़ाई और शादी का बोझ दिखता था।

फैसले लेने वाली मेज पर भी बैठेंगी महिलाएं

सीएम ने कहा कि 31 जनपदों में काम कर रही बलिनी-काशी, सामर्थ्य, सृजिनी, बाबा गोरखनाथ मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी में कार्यरत 4 लाख से अधिक बहनें आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में अग्रसर हुई हैं। एफपीओ में महिला किसानों की भागीदारी बढ़ी है। ओडीओपी व एमएसएमई में हजारों महिला उद्यमी बनी हैं।

स्टार्टअप ईकोसिस्टम में 50 फीसदी भागीदारी महिलाओं की है। स्वावलंबन तभी पूर्ण होगा, जब महिलाओं के पास उत्पाद ही नहीं, बल्कि मार्केट भी हो। महिला समूहों को ब्रॉडिंग, पैकेजिंग, मार्केटिंग, प्रदर्शनियों में उत्पाद को ले जाने और डिजिटल कॉमर्स से जोड़ने की भी व्यवस्था की गई है। शी-मार्ट जैसे मॉडल एसएचजी उत्पादों के लिए डेडिकेटेड रिटेल प्लेटफॉर्म व बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में बढ़ रहे हैं। महिला उद्यमियों के उत्पाद गांव में बनें, उनकी ब्रांडिंग व डिलीवरी प्रदेश व देश-दुनिया तक हो, हमने यह मॉडल बनाया है। आधी आबादी की आर्थिक आत्मनिर्भरता तभी पूरी होगी, जब फैसले लेने वाली मेज पर भी बहनें बैठेंगी।

50 फीसदी तक पहुंचाएंगे वीमेन पार्टिसिपेशन

सीएम ने कहा कि आधी आबादी घर पर बैठ जाएगी तो यूपी को बीमारू होना ही था। पहले यूपी में महिला कार्यबल महज 12 फीसदी था, अब यह 36 फीसदी हो गया है। हमारा प्रयास है कि वीमेन पार्टिसिपेशन 50 फीसदी तक पहुंचना चाहिए। अब बेटियां बेफिक्र होकर नाइट शिफ्ट कर रही हैं। अब हर योजना की केंद्रबिंदु आधी आबादी है। हमने बेटी को फिजिकल, मेंटल और हेल्थ सिक्योरिटी दी। आज मिशन शक्ति केंद्र, हर शहर में एआई बेस्ड सेफ सिटी नेटवर्क, 1090 व 112 का इंटीग्रेटेड रिस्पांस सिस्टम है। बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले के लिए जेल या जहन्नुम ही एकमात्र जगह है।

नई भर्ती के बाद यूपी में होंगी 50,000 महिला पुलिसकर्मी

सीएम ने कहा कि देश में पहली बार उत्तर प्रदेश में महिला बीट पुलिस की तैनाती हुई। यूपी में 2017 में 10,000 महिला पुलिसकर्मी थीं, अब यह संख्या 45,000 हो गई है। हमने पुलिस भर्ती में 20 फीसदी बेटियों की भर्ती अनिवार्य की। अभी 32 हजार भर्ती प्रक्रिया में हैं। नई भर्ती के बाद पुलिस बल में महिलाओं की संख्या 50,000 हो जाएगी। पिछली सरकारों ने पीएसी की 54 कंपनियां समाप्त कर दी थीं। हमने उनके गठन के साथ ही तीन महिला पीएसी बटालियनें (लखनऊ में उदा देवी, गोरखपुर में झलकारी बाई, बदायूं में अवंती बाई) स्थापित कीं। पिंक बूथ, वन स्टॉप सेंटर की अब समुचित व्यवस्था है। शिकायत दर्ज होने के बाद ट्रैकिंग, टाइमलाइन व जवाबदेही भी है। पहले बेटी की सुरक्षा किस्मत पर निर्भर थी, आज सिस्टम, डेटा व टेक्नोलॉजी पर है। बेटी घर से निकले, काम/कारोबार करे और रात में सुरक्षित घर लौट आए, सरकार यह गारंटी दे रही है।

'उज्ज्वला' योजना ने बीमारियों से दी मुक्ति

मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्मान तब आता है, जब महिला के घर में शौचालय, बिजली, रसोई में धुआंमुक्त ईंधन, नल में जल और खाते में सीधे पैसा पहुंचे और विपत्ति में सरकार साथ खड़ी हो। हर घर शौचालय माताओं, बहनों की गरिमा का आधार था। 'उज्ज्वला' ने केवल धुएं से राहत नहीं दी, बल्कि फेफड़े खराब होने वाली बीमारियों से भी मुक्ति दी। पक्के घरों ने परिवारों को सुरक्षा दी तो जल जीवन मिशन ने समय व श्रम की दिशा में बड़ा बदलाव किया है। डीबीटी ने बिचौलियों को हटाकर सीधे लाभार्थियों के खाते में पैसा देना प्रारंभ किया।

'राजस्थान हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस को तुरंत हटाइए'

सुप्रीम कोर्ट के जज ने लिखी सीजेआई सूर्यकांत को चिट्ठी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जज संदीप मेहता ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत को कई पत्र लिखकर राजस्थान हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को तुरंत पद से हटाने की मांग की है।

जस्टिस संदीप मेहता ने चीफ जस्टिस को पहले 2 अगस्त को, फिर 10 अगस्त को और इसके बाद 17 अगस्त को पत्र लिखा। अपनी सभी चिट्ठी में जस्टिस मेहता ने उखक से बार-बार यही अपील की कि राजस्थान हाई कोर्ट में किसी दूसरे हाई कोर्ट मुख्य न्यायाधीश को नियुक्त किया जाए। जस्टिस मेहता ने अपने सबसे पहले पत्र में कड़ी टिप्पणी करते हुए लिखा, 'ऐसे कई उदाहरण हैं जिनमें जस्टिस शर्मा ने एक्टिंग चीफ जस्टिस के तौर पर अपनी शक्तियों का इस्तेमाल इस तरह से किया, जो संस्थान के प्रमुख के पद के लिए शोभा नहीं देता।' जस्टिस मेहता ने आगे लिखा, 'मुझे जस्टिस एस.पी. शर्मा के न्यायिक कामकाज के बारे में कई शिकायतें मिली हैं, जो पहली नजर में उनकी ईमानदारी पर सवाल खड़े करती हैं।'

ओबीसी क्रीमी लेयर पर फिर होगी सुनवाई, 1 सितंबर को तय होगा अभ्यर्थियों का भविष्य

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा 2025 के 958 सफल अभ्यर्थियों की सेवा आवंटन प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई होने वाली है। केंद्र की उस याचिका पर एक सितंबर को विशेष पीठ सुनवाई करेगी, जिसमें 11 मार्च के फैसले को सीएसई-2025 के अभ्यर्थियों पर लागू करने को लेकर स्पष्टीकरण मांगा गया है। इस फैसले ने अन्य पिछड़ा वर्ग की क्रीमी लेयर तय करने के तरीके को प्रभावित किया था। अब सवाल है कि पुराने नियमों के आधार पर हुई परीक्षा के परिणाम और नई कानूनी स्थिति के बीच संतुलन कैसे बनेगा।

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के अनुसार, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की विशेष पीठ एक सितंबर को दोपहर 3:30 बजे केंद्र की याचिका पर सुनवाई करेगी। यही पीठ 11 मार्च को ओबीसी क्रीमी लेयर से जुड़े मामले में फैसला सुना चुकी है। इससे पहले मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने विशेष पीठ गठित करने पर सहमति जताई थी। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग चाहता है कि सीएसई-2025 के लिए यूपीएससी की ओर से अनुशंसित 958 अभ्यर्थियों का सेवा आवंटन उस क्रीमी लेयर व्यवस्था के आधार पर पूरा करने की अनुमति दी जाए, जो 11 मार्च के फैसले से पहले लागू थी। केंद्र का कहना है कि परीक्षा की पूरी प्रक्रिया 11 मार्च के फैसले से पहले पूरी हो चुकी थी और अभ्यर्थियों ने उस समय लागू नियमों के आधार पर अपने फैसले लिए थे। 'यूनियन ऑफ इंडिया बनाम रोहित नाथन' मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 14 अक्टूबर 2004 का स्पष्टीकरण पत्र 8 सितंबर 1993 के कार्यालय ज्ञापन को खत्म नहीं कर सकता। अदालत ने यह भी कहा था कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी या निजी क्षेत्र में काम करने वाले माता-पिता की केवल आय को ओबीसी क्रीमी लेयर तय करने का अकेला आधार नहीं बनाया जा सकता। माता-पिता के पद, सेवा श्रेणी और निर्धारित आय तथा संपत्ति संबंधी नियमों को भी देखा जाना चाहिए। केंद्र के अनुसार, परीक्षा के समय लागू व्याख्या के आधार पर कुछ ऐसे अभ्यर्थी ओबीसी गैर-क्रीमी लेयर का लाभ लेने के योग्य नहीं मानते रहे होंगे, जिनके माता-पिता की आय निर्धारित सीमा से अधिक थी। ऐसे अभ्यर्थियों ने सामान्य श्रेणी में परीक्षा दी हो सकती है या ओबीसी श्रेणी में आवेदन ही नहीं किया होगा। उन्हें ओबीसी अभ्यर्थियों को मिलने वाली तीन साल की ऊपरी आयु सीमा में छूट और अतिरिक्त प्रयास जैसे लाभ भी नहीं मिले होंगे। केंद्र ने आशंका जताई है कि जिन अभ्यर्थियों ने ओबीसी श्रेणी में आवेदन किया था, उनका नए फैसले के आधार पर दोबारा आकलन किया जा सकता है। लेकिन जिन लोगों ने ओबीसी के तौर पर आवेदन ही नहीं किया, उन्हें बाद में श्रेणी बदलने या आयु सीमा और अतिरिक्त प्रयास का लाभ देने की समान सुविधा नहीं होगी। केंद्र के मुताबिक इससे उन अभ्यर्थियों के दो समूह बन सकते हैं, जिन्होंने उस समय लागू एक ही प्रशासनिक व्यवस्था के आधार पर निर्णय लिया था। केंद्र ने यह भी बताया है कि सीएसई-2025 के लिए लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में फाउंडेशन कोर्स अगस्त के अंतिम सप्ताह में प्रस्तावित है। सेवा आवंटन में देरी होने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, आईएएस और आईपीएस अधिकारियों का कैडर आवंटन, वरिष्ठता और वेतन निर्धारण प्रभावित हो सकता है।

बांसुरी स्वराज का राहुल गांधी पर वार, बोलीं- 'पितृसत्ता खत्म' की बात सिर्फ पुणे तक क्यों?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की सांसद बांसुरी स्वराज ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना की। उन्होंने राहुल गांधी के उस बयान पर आपत्ति जताई जिसमें उन्होंने एक ज्वेलरी ब्रांड के त्योहारों से जुड़े विज्ञापन को लेकर मचे विवाद के बीच एक्ट्रेस कृति सेनन का समर्थन किया था। यह विवाद तब शुरू हुआ जब राहुल गांधी ने सेनन का बचाव किया। सेनन को ज्वेलरी ब्रांड GIVA के रक्षाबंधन विज्ञापन में पहने गए अपने कपड़ों को लेकर ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ा था। गांधी ने कहा कि महिलाओं को अपने कपड़े चुनने की आजादी है और उन्होंने ऑनलाइन ट्रोल करने वालों से महिलाओं को निशाना बनाना बंद करने को कहा। इसके जवाब में, स्वराज ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर गांधी के रुख में निरंतरता की कमी पर सवाल उठाए। उन्होंने कई ऐसे मौकों का ज़िक्र किया जब गांधी ने महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों की निंदा नहीं की थी। उन्होंने कहा कि जब कंगना रनौत के खिलाफ अपशब्द कहे गए, तो राहुल गांधी चुप रहे। साथ ही, एक बार हेमा मालिनी के खिलाफ भी अपमानजनक टिप्पणी की गई थी, लेकिन राहुल गांधी की तरफ से एक भी बयान नहीं आया। अधीर रंजन चौधरी ने भारत की राष्ट्रपति के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और कांग्रेस के कई नेताओं ने महिलाओं के खिलाफ बातें कहीं, फिर भी राहुल गांधी चुप रहे, और अब वह पितृसत्ता को खत्म करने की बात कर रहे हैं। मैं राहुल गांधी से पूछना चाहती हूँ कि कर्नाटक और हिमाचल में एक भी महिला नेता क्यों नहीं है? उन्होंने महिला आरक्षण बिल का विरोध क्यों किया? और आप महिलाओं के सशक्तिकरण की बात कर रहे हैं? उन्होंने आगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महिला-नेतृत्व वाले विकास के नजरिए पर जोर देते हुए कहा कि आप हमेशा नरेंद्र मोदी पर हमला करते रहते हैं।

नेपाल बाढ़ के खतरे पर बिहार सीएम का एक्शन: एनडीआरएफ-एसडीआरएफ टीमें तैनात

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे हाई अलर्ट पर रहें, क्योंकि नेपाल के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में अचानक आई बाढ़ से गंडक नदी का जलस्तर बढ़ सकता है।

26 अगस्त को पटना के संकल्प ऑडिटोरियम में हुई एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक में, मुख्यमंत्री ने बाढ़ से प्रभावित या बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों के ज़िला अधिकारियों को सतर्क रहने की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने गंडक नदी के संदर्भ में विशेष रूप से पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ़्फरपुर और वैशाली ज़िलों का ज़िक्र किया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे तटबंधों की मजबूती और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से उनका निरीक्षण करें।

चौधरी ने किसी भी आपात स्थिति को रोकने के लिए बांधों और तटबंधों की लगातार निगरानी करने और रात में गश्त करने का आदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को यह भी निर्देश दिया कि वे संवेदनशील इलाकों में लाउडस्पीकर और माइक्रोफोन के जरिए समय पर चेतावनी जारी करें, ताकि लोगों को बाढ़ से जुड़े खतरों के बारे में जानकारी मिलती रहे।

उन्होंने पुष्टि की कि इमरजेंसी रिस्पॉन्स के लिए नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स और स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की टीमों को तैनात किया गया है और तेजी से राहत कार्यों के लिए अधिकारियों और बचाव टीमों के बीच बेहतर तालमेल बनाने पर जोर दिया। इंसानी जान बचाने को सबसे जरूरी बताते हुए, चौधरी ने अधिकारियों के बीच लगातार तैयारी और आपसी सहयोग के महत्व पर जोर दिया।

टीएमसी के 20 बागी सांसदों की बढ़ी मुश्किलें: लोकसभा सचिवालय ने भेजा नोटिस; सात दिन में देना होगा जवाब

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा सचिवालय ने TMC के 20 बागी सांसदों को अभिषेक बनर्जी की ओर से दायर अयोग्यता याचिकाओं पर नोटिस भेजकर सात दिनों में जवाब मांगा है। इन सांसदों पर आरोप है कि वे TMC से अलग होकर NCPI के साथ चले गए हैं। TMC इसे स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता छोड़ना बताते हुए दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता का आधार मान रही है, जबकि बागी सांसद अपने कदम को वैध विलय बता रहे हैं। मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है, जहां अदालत ने कहा है कि अहम सवाल नोटिस जारी करना नहीं, बल्कि कार्यवाही को तय समयसीमा में पूरा करना है। 25 अगस्त को जारी इन नोटिसों के साथ अभिषेक बनर्जी की ओर से 18 जून को दायर की गई याचिका की प्रति भी सांसदों को भेजी गई है। यह याचिका लोकसभा सदस्यों के दलबदल के आधार पर अयोग्यता नियम, 1985 के नियम 6 के तहत दाखिल की गई थी। लोकसभा सचिवालय ने सभी 20 सांसदों से नोटिस मिलने के सात दिनों के भीतर याचिका पर अपनी टिप्पणी और जवाब दाखिल करने को कहा है।

यह घटनाक्रम सुप्रीम कोर्ट द्वारा अभिषेक बनर्जी की उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताने के एक दिन बाद सामने आया है, जिसमें दलबदल के आधार पर अयोग्यता की याचिकाओं पर जल्द फैसला लेने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने बनर्जी की याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। बनर्जी ने अयोग्यता की कार्यवाही पर कथित देरी को चुनौती देते हुए अदालत से मामले में तेजी लाने की मांग की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने 20 बागी सांसदों को नोटिस जारी किया, हालांकि लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय और सदन के महासचिव को अलग से नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि वह लोकसभा अध्यक्ष और महासचिव की ओर से पेश हो रहे हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने टिप्पणी की, 'यह नोटिस जारी करने का सवाल नहीं है, सवाल यह है कि कार्यवाही एक तय समयसीमा के भीतर पूरी हो।'

अभिषेक बनर्जी ने इससे पहले 20 सांसदों के खिलाफ अलग-अलग अयोग्यता याचिकाएं दायर की थीं। इसके बाद उन्होंने इन मामलों का जल्द निपटारा करने की मांग की। इस मुद्दे को लेकर उन्होंने 12 अगस्त को लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात भी की थी। इससे पहले 27 जुलाई को उन्होंने लिखित रूप से याद दिलाते हुए मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग की थी। यह पूरा विवाद TMC के संसदीय दल में हुई बगावत के बाद शुरू हुआ। पार्टी के 20 लोकसभा सांसदों ने घोषणा की थी कि वे नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हो गए हैं या उसका हिस्सा बन गए हैं।

संपादक की कलम से

राखी कोरा रक्षा कवच नहीं, नारी-सम्मान का संकल्प बने

रक्षाबंधन केवल कलाई पर बंधा हुआ एक धागा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस विराट चेतना का प्रतीक है जिसमें प्रेम, विश्वास, दायित्व, आत्मीयता और संरक्षण एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। लेकिन बदलते समय में इस पर्व के अर्थ को भी नए सिरे से समझने की जरूरत है। वह समय बीत चुका है जब स्त्री की सुरक्षा को केवल पुरुष की जिम्मेदारी मान लिया जाता था। आज की महिला स्वयं अपने जीवन की दिशा तय कर रही है, शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, राजनीति, सेना, उद्योग, खेल और अंतरिक्ष तक अपनी पहचान बना रही है। इसलिए आज राखी का सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि भाई बहन की रक्षा करेगा या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि क्या हमारा समाज ऐसा बनेगा जिसमें हर महिला को अपनी सुरक्षा, स्वतंत्रता, गरिमा और सपनों के लिए किसी की कृपा पर निर्भर न रहना पड़े? रक्षाबंधन की भारतीय अवधारणा में 'रक्षा' का अर्थ बहुत व्यापक है। संस्कृत में कहा गया है- 'रक्षति इति रक्षः', अर्थात जो रक्षा करे वही रक्षक है। परंतु किसकी रक्षा? केवल शरीर की नहीं, बल्कि सम्मान की, स्वतंत्रता की, संस्कारों की, विचारों की और जीवन-मूल्यों की भी। इसी व्यापक अर्थ में रक्षाबंधन आज एक पारिवारिक पर्व से आगे बढ़कर सामाजिक दर्शन का पर्व बन सकता है। भारतीय परंपरा में रक्षासूत्र का उल्लेख अत्यंत प्राचीन है। वैदिक परंपरा में रक्षा-सूत्र को मंगल, संकल्प और संरक्षण का प्रतीक माना गया। इंद्र और इंद्राणी की कथा हो अथवा गुरु द्वारा शिष्य को रक्षासूत्र बांधने की परंपरा-इन सबमें एक गहरी भावना दिखाई देती है कि मनुष्य अपने से जुड़े व्यक्ति के प्रति उत्तरदायित्व स्वीकार करे। इसका अर्थ किसी को कमजोर मानकर उसकी रक्षा करना नहीं, बल्कि संबंधों को जिम्मेदारी से निभाना है। यही बात आज के रक्षाबंधन को नई अर्थवत्ता देती है। भारतीय इतिहास में राखी ने कई बार रक्त और धर्म से परे मानवीय संबंधों का रूप लिया है। राजपूत परंपरा में युद्ध के लिए जाते योद्धाओं की कलाई पर रक्षासूत्र बांधने की परंपरा वीरता और विजय की मंगलकामना से जुड़ी रही। मध्यकालीन इतिहास में मेवाड़ की रानी कर्णावती और हुमायूँ से जुड़ी राखी की कथा भले ही इतिहास और लोकस्मृति के बीच अलग-अलग रूपों में प्रस्तुत की जाती हो, लेकिन इसका सांस्कृतिक संदेश स्पष्ट है-राखी जैविक भाई-बहन के रिश्ते से आगे बढ़कर विश्वास और संरक्षण का मानवीय अनुबंध बन सकती है। महाभारत में द्रौपदी और श्रीकृष्ण का प्रसंग भी इसी भावभूमि को स्पर्श करता है। द्रौपदी द्वारा श्रीकृष्ण की घायल कलाई पर वस्त्र बांधने और श्रीकृष्ण द्वारा उसके सम्मान की रक्षा करने की कथा भारतीय मानस में भाई-बहन के रिश्ते की करुणा, आत्मीयता और दायित्व का प्रतीक बन गई। इस कथा का आधुनिक अर्थ यह है कि संबंध केवल लेने का नहीं, एक-दूसरे के लिए खड़े होने का नाम है। रक्षा एकतरफा नहीं होती, प्रेम में पारस्परिक उत्तरदायित्व होता है। आज की नारी ने इस पारंपरिक धारणा को एक नया आयाम दिया है। वह अब केवल 'रक्षा की अपेक्षा रखने वाली' नहीं, बल्कि स्वयं परिवार, समाज और राष्ट्र की रक्षा में सक्रिय भागीदार है। भारतीय सशस्त्र सेनाओं में महिलाएं सीमाओं की सुरक्षा कर रही हैं, महिला पायलट आकाश में देश की शक्ति का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, वैज्ञानिक अंतरिक्ष अभियानों में योगदान दे रही हैं, महिला खिलाड़ी विश्व मंच पर तिरंगा ऊंचा कर रही हैं और प्रशासनिक सेवाओं में महिलाएं नीति-निर्माण को दिशा दे रही हैं। ऐसे समय में राखी का धागा हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि जिस नारी को हम 'अबला' कहकर उसकी रक्षा का दावा करते हैं, वही नारी राष्ट्र की रक्षा में अपना जीवन समर्पित कर सकती है तो उसके सम्मान और अधिकारों की रक्षा में समाज पीछे क्यों रहे?

ललित शर्मा
संपादक

इक तू ही मेरा पालनहार

किशन भावनानीं

कविता

हर कृपा करके बख्श लेना,
मैं पापी बड़ा गुनहगार।
तेरे दर पर शीश झुकाया,
इक तू ही मेरा पालनहार।

मेरे भीतर दोष ही दोष हैं,
गुण का नहीं कोई आधार।
तेरी मेहर की नजर पड़ जाए,
मिट जाए मन का अंधकार।

जन्म-जन्म की भूलें मेरी,
कर्मों का बोझ अपार।
तेरे नाम की ओट मैं माँगूँ,
तू ही मेरा सच्चा दातार।

न धन माँगूँ, न मान माँगूँ,
न माँगूँ जग की जय-जयकार।
तेरे चरणों की धूल मिल जाए,
बस इतनी मेरी पुकार।

जब अंतिम घड़ी सामने आए,
तेरा नाम रहे मेरे साथ।
हर कृपा करके बख्श लेना,
रख लेना चरणों में माथ।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

आध्यात्मिक विकास में ऊर्जा और अंकों का महत्व

डॉ विजय गर्ग
लेखक

आध्यात्मिक विकास मनुष्य के जीवन की एक गहरी और व्यक्तिगत यात्रा है। यह किसी एक धर्म, परंपरा, अनुष्ठान या विश्वास तक सीमित नहीं है। इसका मूल उद्देश्य स्वयं को समझना, आंतरिक शांति विकसित करना, अपने विचारों और कर्मों के प्रति जागरूक होना तथा जीवन के गहरे उद्देश्य को पहचानना है। मनुष्य ने सदियों से इस आंतरिक यात्रा को समझने के लिए ध्यान, योग, चिंतन और विभिन्न दार्शनिक विचारों का सहारा लिया है। इनमें ऊर्जा और अंकों की अवधारणा भी विशेष रुचि का विषय रही है। ऊर्जा को सामान्यतः जीवन-शक्ति, सक्रियता, भावनाओं और मानसिक अवस्था से जोड़ा जाता है। विज्ञान में ऊर्जा के विभिन्न रूपों को मापा जा सकता है, जबकि आध्यात्मिक परंपराओं में 'आंतरिक ऊर्जा' शब्द का प्रयोग चेतना और आंतरिक अनुभवों के संदर्भ में किया जाता है। इसी प्रकार अंक हमें समय, मात्रा और पैटर्न को समझने में सहायता करते हैं। कई संस्कृतियों ने अंकों को प्रतीकात्मक अर्थ भी दिए हैं। लेकिन यह समझना आवश्यक है कि आध्यात्मिक प्रतीकवाद और वैज्ञानिक तथ्य एक ही चीज नहीं हैं।

ऊर्जा और मन की अवस्था

हमारी मानसिक और भावनात्मक स्थिति इस बात को प्रभावित करती है कि हम जीवन को किस प्रकार अनुभव करते हैं। शांत मन कठिन परिस्थितियों में भी सोच-समझकर निर्णय लेने में सहायता करता है, जबकि लगातार तनाव, भय और नकारात्मक विचार हमें मानसिक रूप से थका सकते हैं। ध्यान, योग, श्वास पर एकाग्रता और माइंडफुलनेस जैसे अभ्यास मन को शांत करने तथा अपने विचारों को देखने की क्षमता विकसित करने में सहायक हो सकते हैं। आध्यात्मिक विकास की शुरूआत अक्सर यहीं से होती है कि हम अपने विचारों को बिना तुरंत प्रतिक्रिया दिए देखना सीखें।

अंक हमें क्यों आकर्षित करते हैं?

अंक मानव सभ्यता के विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। हम समय, दूरी, आयु, धन, शिक्षा और जीवन की अनेक गतिविधियों को अंकों के माध्यम से मापते हैं। कुछ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं में अंकों को प्रतीकात्मक महत्व दिया गया है। एक को एकता, दो को द्वैत या संतुलन और तीन को पूर्णता या सामंजस्य का प्रतीक माना जा सकता है। लेकिन ये अर्थ सांस्कृतिक या व्यक्तिगत विश्वास हो सकते हैं; इन्हें वैज्ञानिक रूप से सिद्ध शक्तियां नहीं माना जाना चाहिए।

आत्मचिंतन के लिए अंकों की भूमिका

अंकों का सबसे व्यावहारिक उपयोग अपने जीवन का मूल्यांकन करने में हो सकता है। हम प्रतिदिन कितने घंटे मोबाइल पर बिताते हैं? कितना समय पढ़ाई, काम, व्यायाम, परिवार और आराम को देते हैं? यदि हम अपनी गतिविधियों का रिकॉर्ड रखें तो हमें अपनी वास्तविक आदतों का पता चल सकता है। कई बार हमारी धारणा और वास्तविकता में काफी अंतर होता है।

उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति सोच सकता है कि वह परिवार को पर्याप्त समय देता है, लेकिन समय का हिसाब करने पर पता चल सकता है कि सोशल मीडिया और मोबाइल उसके दिन का बड़ा हिस्सा ले रहे हैं। इस प्रकार अंक हमारे जीवन का आईना बन सकते हैं।

ध्यान और एकाग्रता की शक्ति

मानव का ध्यान सीमित होता है। हम जिस चीज के बारे में बार-बार सोचते हैं, वह हमारी मानसिकता को प्रभावित करती है। यदि हमारा ध्यान हमेशा भय, क्रोध, तुलना और नकारात्मकता पर केंद्रित रहता है, तो ये भावनाएं हमारी सोच पर हावी हो सकती हैं। इसके विपरीत, यदि हम अपना ध्यान सीखने, कृतज्ञता, करुणा, रचनात्मकता और अच्छे संबंधों पर केंद्रित करें, तो हमारी मानसिक स्थिति अधिक संतुलित हो सकती है। इसका अर्थ यह नहीं कि केवल सकारात्मक सोच से हर समस्या हल हो सकती है। जीवन में दुख, नुकसान, असफलता और अनिश्चितता भी होती है। आध्यात्मिक परिपक्वता का अर्थ कठिनाइयों से भागना नहीं, बल्कि उनका सामना करने की आंतरिक शक्ति विकसित करना है।

ध्यान और आंतरिक संतुलन

ध्यान मन को समझने का एक व्यावहारिक तरीका है। व्यक्ति अपने श्वास, शारीरिक अनुभव या किसी ध्वनि पर ध्यान केंद्रित कर सकता है। इस दौरान विचार आते-जाते रहते हैं, लेकिन उन पर तुरंत प्रतिक्रिया करना आवश्यक नहीं है। नियमित अभ्यास से व्यक्ति अपने क्रोध, भय और अन्य भावनाओं को अधिक स्पष्टता से पहचान सकता है। यह जागरूकता हमें प्रतिक्रिया देने से पहले रुकने और सोचने का अवसर देती है। इसलिए आध्यात्मिक विकास केवल किसी रहस्यमय अनुभव का नाम नहीं है। यह दैनिक जीवन के सामान्य क्षणों के प्रति अधिक जागरूक होने की कला भी है।

अंकों को अनुशासन का साधन बनाना

अंक हमारे व्यक्तिगत और आध्यात्मिक विकास में अनुशासन पैदा करने में सहायक हो सकते हैं। हर सुबह 10 मिनट ध्यान, प्रतिदिन 30 मिनट पढ़ना या सप्ताह में निश्चित समय समाज सेवा के लिए निकालना अच्छी आदतों को विकसित कर सकता है। अंकों में अपने आप कोई जादुई शक्ति नहीं होती। उनका महत्व हमारे इरादे, नियमितता और अनुशासन में है। 'मैं शांत होना चाहता हूं' कहने के बजाय यदि हम प्रतिदिन दस मिनट ध्यान करने का निर्णय लें, तो इच्छा एक व्यावहारिक आदत में बदल जाती है।

ऊर्जा और मानव संबंध

हमारा व्यवहार दूसरों को भी प्रभावित करता है। दयालु, शांत और प्रोत्साहित करने वाले व्यक्ति की संगति हमें अच्छा महसूस करा सकती है। इसके विपरीत, क्रोध और नकारात्मकता से भरा व्यवहार आसपास के वातावरण को प्रभावित कर सकता है। एक मुस्कान, मधुर शब्द, धैर्यपूर्वक किसी की बात सुनना या किसी की सहायता करना किसी के दिन को बेहतर बना सकता है। इसलिए आध्यात्मिक विकास केवल अपने भीतर शांति खोजने का नाम नहीं है। यह दूसरों के साथ करुणा, सम्मान और ईमानदारी से व्यवहार करने की प्रक्रिया भी है।

आत्म-जागरूकता से करुणा तक

जब हम अपनी कमजोरियों, भय और संघर्षों को समझने लगते हैं, तो हम दूसरों के प्रति भी अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। हमें यह समझ आने लगता है कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी ऐसी चुनौतियों से जूझ रहा हो सकता है जो बाहर से दिखाई नहीं देतीं। इसलिए हमें स्वयं से पूछना चाहिए-क्या मैं धैर्य लेकर चलता हूं या अधीरता? क्या मैं दूसरों का उत्साह बढ़ाता हूं या अनावश्यक आलोचना करता हूं? क्या मेरे शब्द दूसरों में आशा पैदा करते हैं? ये प्रश्न किसी व्यक्ति की आध्यात्मिक प्रगति को अंकों से मापने की तुलना में कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं।

अंकों की गलत व्याख्या से सावधान

अंकों से जुड़े रहस्यमय विश्वास कई लोगों को आकर्षित करते हैं। अंक-ज्योतिष जैसी प्रणालियां सांस्कृतिक या व्यक्तिगत विश्वास के रूप में रोचक हो सकती हैं, लेकिन उन्हें वैज्ञानिक सत्य के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं है। कोई भी अंक विश्वसनीय रूप से किसी व्यक्ति के भविष्य, स्वास्थ्य, व्यक्तित्व या भाग्य की भविष्यवाणी नहीं कर सकता। इसलिए आध्यात्मिक खोज के साथ वैज्ञानिक सोच और तार्किक दृष्टिकोण बनाए रखना भी आवश्यक है।

आध्यात्मिक विकास के लिए सरल अभ्यास

आध्यात्मिक विकास के लिए किसी जटिल प्रणाली की आवश्यकता नहीं है। हम कुछ सरल कदमों से शुरूआत कर सकते हैं: प्रतिदिन कुछ मिनट शांत होकर अपने विचारों को देखें। अपनी नींद, स्क्रीन टाइम, व्यायाम और पढ़ने की आदतों का रिकॉर्ड रखें। प्रतिदिन उन चीजों के लिए कृतज्ञता व्यक्त करें जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण हैं। ध्यान और आत्मचिंतन के लिए नियमित समय निर्धारित करें। अनावश्यक मोबाइल और सोशल मीडिया के उपयोग को कम करें। दूसरों के साथ दया और सम्मान से व्यवहार करें। अपनी धारणाओं पर प्रश्न करने और नई बातें सीखने के लिए तैयार रहें।

मंजिल नहीं, एक यात्रा

आध्यात्मिक विकास कोई ऐसी उपलब्धि नहीं है जो एक दिन में प्राप्त हो जाए। यह स्वयं को अधिक जागरूक, जिम्मेदार, संतुलित और करुणामय बनाने की निरंतर यात्रा है।

ऊर्जा हमारे आंतरिक और सामाजिक जीवन की गुणवत्ता को समझने के लिए एक उपयोगी अवधारणा हो सकती है, जबकि अंक हमें अपने समय, आदतों और अनुशासन को समझने के लिए एक ढांचा प्रदान कर सकते हैं।

निमाड़ की राजनीति का अगला पन्ना अब राष्ट्रीय किताब में

प्रो. आरके जैन
लेखक

किसी भूगोल का गौरव जब व्यक्ति के व्यक्तित्व में उतरता है, तब वह केवल प्रतिनिधि नहीं रहता, उस भूगोल की जीवित पहचान बन जाता है। गजेंद्र सिंह पटेल का जीवन ऐसी कहानी है-निमाड़ की तपती धरती, खरगोन-बड़वानी मप्र की आदिवासी बेल्ट, संघर्षों भरा बचपन और साधारण जीवन से निकली असाधारण राजनीतिक यात्रा। मिट्टी की गंध से उठकर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री के दायित्व तक पहुँचना केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, उस अंचल के आत्मसम्मान की यात्रा है, जिसे लंबे समय तक विकास की मुख्यधारा से दूर समझा गया। पिता उमराव सिंह पटेल की राजनीतिक विरासत और माता स्वर्गीय सुशीला बाई पटेल की अटूट ममता से मिले संस्कारों ने व्यक्तित्व गढ़ा। उन्होंने लोकसभा के दो चुनाव जीतकर जनता का विश्वास अर्जित किया और अब राष्ट्रीय संगठन के शीर्ष दायित्व तक पहुँचकर उस विश्वास को बड़े फलक पर खड़ा किया है। यह उपलब्धि व्यक्ति की कम, पूरे क्षेत्र के आत्मविश्वास की कहानी है। माँ की गोद में मिले संस्कार और पिता की राह से मिली राजनीतिक दृष्टि-गजेंद्र सिंह पटेल के व्यक्तित्व की दो धाराएँ हैं, जो अंततः एक ही नदी बनती हैं। सुशीला बाई का संघर्षपूर्ण जीवन उन्हें सिखाता रहा कि अभाव मनुष्य की नियति नहीं, उसकी परीक्षा है। आदिवासी अंचल में सीमित संसाधनों के बीच शिक्षा और स्वाभिमान की लौ बचाए रखना आसान नहीं था। पिता उमराव सिंह पटेल बड़वानी मप्र से विधायक और राज्य मंत्री रहे, लेकिन राजनीतिक पहचान के बावजूद परिवार की जड़ें अपनी मिट्टी से नहीं उखड़ीं। सरकारी महाविद्यालय बड़वानी से बीए और इंदौर से एलएलबी की शिक्षा ने गजेंद्र सिंह पटेल को केवल शैक्षणिक योग्यता नहीं, अपने क्षेत्र की पीड़ा को समझने और उसे शब्द देने की क्षमता दी। किसान और व्यवसायी के रूप में पेट्रोल पंप की देनदारी और खेती की मेहनत साथ लेकर चलना वह अध्याय रहा, जिसने उन्हें राजनीति से पहले जीवन की वास्तविकता सिखाई। राजनीति में पहुँचने से पहले उन्होंने संगठन की धूल अपने पैरों पर लगाई थी। युवावस्था में संघ के विस्तारक के रूप में महू में काम करते हुए उन्होंने संगठन को बाहर से नहीं देखा, उसकी नसों में उतरकर समझा। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में उन्होंने आदिवासी समाज की आकांक्षाओं को राष्ट्रीय संगठन में स्वर दिया। 2019 में खरगोन-बड़वानी मप्र लोकसभा सीट से पहली विजय और 2024 में पुनः निर्वाचित होना प्रमाण था कि उनकी राजनीति केवल संगठन की पसंद नहीं, जनता के विश्वास से भी पुष्ट थी। संसद में रेल लाइन, चिकित्सा महाविद्यालय, सिकल सेल एनीमिया, किसानों के प्रश्न, मोबाइल नेटवर्क, नई रेल परियोजनाएँ, कपड़ा पार्क और किसान योजनाओं जैसे विषयों पर उनकी सक्रियता ने क्षेत्रीय समस्याओं को राष्ट्रीय विमर्श तक पहुँचाया। शोर कम, निरंतरता अधिक रही। वे अपने क्षेत्र को केवल चुनावी नक्शे पर नहीं, विकास की वास्तविक जमीन पर देखते हैं। फिर वह दिन आया, जब संगठन ने निमाड़ की इस जमीनी आवाज को राष्ट्रीय जिम्मेदारी दी। नितिन नबीन के नेतृत्व में भाजपा ने 17 अगस्त 2026 को नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा कर गजेंद्र सिंह पटेल को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया। यह केवल पद की घोषणा नहीं थी; यह उस राजनीतिक दृष्टि की अभिव्यक्ति थी, जिसमें संगठन के शिखर तक पहुँचने का रास्ता महानगरों से गुजरना जरूरी नहीं। खरगोन-बड़वानी जैसे आदिवासी और पिछड़े क्षेत्र से उठकर राष्ट्रीय संगठन के केंद्र में पहुँचना अपने आप में संदेश है। शीर्ष नेतृत्व ने क्षमता, निष्ठा, संगठनात्मक अनुभव और जनसंपर्क को महत्व दिया। यह उस कार्यकर्ता की प्रतिष्ठा है, जिसने पद के लिए अपनी जमीन नहीं छोड़ी और जमीन पर रहते हुए पद की ऊँचाई हासिल की। किसी नेता की असली परीक्षा चुनाव जीतने के बाद शुरू होती है, क्योंकि तब मतदाता वोटर नहीं, अपने सवालों के साथ सामने खड़ा मनुष्य होता है। गजेंद्र सिंह पटेल की विशिष्टता इसी जन-संबंध में है। वे केवल सांसद नहीं, निमाड़ के गाँव-फालियों की आकांक्षाओं के प्रतिनिधि हैं। आदिवासी समाज की समस्याएँ उनके लिए भाषण की सामग्री नहीं, राजनीतिक प्रतिबद्धता हैं। किसान, युवा और दूरदराज के गाँवों में संचार तथा परिवहन की जरूरतें वे लगातार उठाते रहे हैं। पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाया, लेकिन माँ से मिली सरलता नहीं छोड़ी। बसंती पटेल के जीवनसाथी और दो पुत्रों के पिता के रूप में परिवार तथा सार्वजनिक जीवन का संतुलन भी उनके व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण पक्ष है। नेतृत्व की विश्वसनीयता इसी से बनती है कि निजी सरलता और सार्वजनिक भूमिका में कितना अंतर है। ऊँचाइयाँ अक्सर आदमी को जमीन से दूर कर देती हैं, लेकिन गजेंद्र सिंह पटेल की यात्रा का सुंदर पक्ष यही है कि ऊँचाई बढ़ी, जमीन नहीं छूटी।

आरक्षण के 75 वर्ष: सामाजिक न्याय या धूर्त राजनीति का अनंत सफर?

एनके शर्मा
लेखक

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में आरक्षण केवल एक सरकारी नीति नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, प्रतिनिधित्व, समान अवसर और राजनीतिक सत्ता के बीच चलने वाली सबसे जटिल बहसों में से एक है। संविधान निमार्ताओं ने सदियों से वंचित समुदायों को अवसरों की मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष प्रावधानों की कल्पना की थी। उद्देश्य था-ऐतिहासिक अन्याय को कम करना, सामाजिक सीढ़ी पर नीचे धकेले गए वर्गों को ऊपर उठाना और लोकतंत्र को वास्तविक अर्थों में सहभागी बनाना। लेकिन आज, लगभग 75 वर्षों की यात्रा के बाद, एक असहज प्रश्न हमारे सामने खड़ा है-क्या आरक्षण अपने मूल सामाजिक उद्देश्य की ओर बढ़ रहा है या वह धीरे-धीरे ऐसी राजनीतिक व्यवस्था में परिवर्तित हो गया है, जिसमें सामाजिक न्याय से अधिक चुनावी गणित प्रभावी हो गया है?

इस प्रश्न का उत्तर न तो आरक्षण के पूर्ण समर्थन में छिपा है और न उसके पूर्ण विरोध में। वास्तविक प्रश्न है-क्या सात दशकों से अधिक समय में हम ऐसी व्यवस्था बना पाए हैं, जिसमें आरक्षण धीरे-धीरे अपनी आवश्यकता खोता, अवसरों की समानता बढ़ती और सामाजिक-आर्थिक विषमता कम होती? यदि नहीं, तो हमें ईमानदारी से यह पूछना होगा कि असफलता केवल व्यवस्था की है, या उस राजनीति की भी, जिसने आरक्षण को सामाजिक परिवर्तन के उपकरण के बजाय स्थायी चुनावी पूंजी बना दिया। संविधान ने अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए राजनीतिक प्रतिनिधित्व तथा शिक्षा और रोजगार में विशेष अवसरों की व्यवस्था की। बाद के दशकों में अन्य पिछड़े वर्गों के लिए भी आरक्षण का विस्तार हुआ। मंडल आयोग की सिफारिशों के बाद भारतीय राजनीति का सामाजिक समीकरण ही बदल गया। इसके बाद आरक्षण केवल अवसर का प्रश्न नहीं रहा; वह सत्ता, पहचान, प्रतिनिधित्व और चुनावी लामबंदी का केंद्रीय हथियार बन गया। यहीं से लोकतंत्र के सामने सबसे कठिन द्वंद्व पैदा हुआ। एक ओर ऐसे समुदाय हैं जिन्हें सदियों के सामाजिक बहिष्कार ने शिक्षा, संपत्ति और अवसरों से दूर रखा। दूसरी ओर ऐसे लाखों युवा हैं जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं, लेकिन आरक्षण की वर्तमान सामाजिक श्रेणियों में फिट नहीं बैठते। उनकी पीड़ा भी वास्तविक है। वे प्रतियोगी परीक्षाओं में वर्षों मेहनत करते हैं, सीमित नौकरियों के लिए संघर्ष करते हैं और जब चयन की प्रक्रिया में अवसरों के अंतर को देखते हैं, तो उनके भीतर व्यवस्था के प्रति असंतोष पैदा होना स्वाभाविक है। लेकिन इस असंतोष को समझने के बजाय राजनीति ने अक्सर उसे जातीय संघर्ष में बदल दिया। एक समुदाय को दूसरे के विरुद्ध खड़ा करना आसान है; शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना कठिन। रोजगार पैदा करना कठिन है; आरक्षण की नई घोषणा करना आसान। सरकारी विद्यालयों को विश्वस्तरीय बनाना कठिन है; चुनाव के समय नई सामाजिक श्रेणियों को आश्वासन देना आसान।

यही वह बिंदु है जहाँ सामाजिक न्याय की राजनीति कभी-कभी सामाजिक विभाजन की राजनीति में बदलती दिखाई देती है। आरक्षण के आलोचकों की सबसे बड़ी चिंता यह है कि अवसरों की सीमित संख्या के बीच लगातार बढ़ते आरक्षण से प्रतिस्पर्धा का दबाव असंतुलित हो सकता है। वहीं समर्थकों का तर्क है कि समान प्रतियोगिता का दावा तब तक अधूरा है, जब तक प्रारंभिक अवसर समान न हों। यह तर्क भी अस्वीकार नहीं किया जा सकता। एक महानगर के महंगे निजी विद्यालय में पढ़ने वाला विद्यार्थी और संसाधनविहीन ग्रामीण विद्यालय में पढ़ने वाला विद्यार्थी कागज पर समान प्रतियोगी हो सकते हैं, वास्तविक जीवन में नहीं। इसलिए असली लड़ाई आरक्षण बनाम प्रतिभा नहीं होनी चाहिए। असली लड़ाई ऐसी शिक्षा और अवसर व्यवस्था के लिए होनी चाहिए, जिसमें प्रतिभा किसी जाति, धर्म, परिवार या आर्थिक स्थिति की बंधक न बने। प्रतिभा को संरक्षण नहीं, निष्पक्ष अवसर चाहिए; वंचित को दया नहीं, सक्षम बनाने वाला अवसर चाहिए। सबसे गंभीर प्रश्न राजनीतिक हस्तक्षेप का है। पिछले दशकों में आरक्षण से जुड़े संवैधानिक और कानूनी बदलावों ने यह सिद्ध किया है कि यह विषय स्थिर नीति से अधिक राजनीतिक दबाव का क्षेत्र बन चुका है। जब भी किसी वर्ग की मांग चुनावी प्रभाव पैदा करती है, राजनीतिक दल उसके पक्ष में खड़े दिखाई देते हैं। इससे संविधान की मूल भावना पर प्रश्न उठाने की आवश्यकता नहीं, लेकिन नीति-निर्माण की पारदर्शिता और दीर्घकालिक दृष्टि पर अवश्य प्रश्न उठता है। क्या किसी भी आरक्षण व्यवस्था का वैज्ञानिक सामाजिक-आर्थिक ऑडिट होना चाहिए? क्या लाभ वास्तव में सबसे वंचित व्यक्ति तक पहुँच रहे हैं? क्या आरक्षण का लाभ पीढ़ी-दर-पीढ़ी उन्हीं अपेक्षाकृत सक्षम परिवारों तक सीमित तो नहीं हो रहा? क्या शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल, रोजगार और उद्यमिता में समान अवसर पैदा करने के लिए उतनी ही राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई गई है? इन प्रश्नों से बचना सामाजिक न्याय के साथ न्याय नहीं होगा। सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि भारत में सरकारी नौकरियों की संख्या सीमित होती गई, जबकि करोड़ों युवाओं की आकांक्षाएँ बढ़ती गईं। ऐसी स्थिति में आरक्षण को लेकर संघर्ष और तीखा होना स्वाभाविक है। युवा नौकरी चाहता है, सम्मान चाहता है, आर्थिक सुरक्षा चाहता है। यदि उसे रोजगार नहीं मिलता, तो केवल आरक्षण को दोष देना भी गलत है और केवल आरक्षण को समाधान मान लेना भी। देश की वास्तविक चुनौती प्रतिभाओं को अवसर देना और वंचितों को सक्षम बनाना है। यदि प्राथमिक शिक्षा कमजोर है, विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता असमान है, कौशल प्रशिक्षण अपर्याप्त है और निजी क्षेत्र पर्याप्त रोजगार नहीं दे रहा, तो आरक्षण की सीमा बढ़ाने से समस्या का मूल समाधान नहीं होगा। इससे अवसरों की सीमित थाली को लेकर संघर्ष बढ़ सकता है, जबकि थाली बड़ी नहीं होगी।

कलम और आवाज निष्पक्ष होगी तो बरकरार रहेगा जनता का भरोसा: विजय यादव

वेलकम इंडिया संवाददाता

पट्टी/प्रतापगढ़। पट्टी विधानसभा क्षेत्र के सदहा निवासी समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं जिला पंचायत सदस्य विजय यादव ने क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर कुछ यू-ट्यूबरों और पत्रकारों की ओर से उठाए जा रहे सवालों पर अपनी असहमति जताई है। उन्होंने पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए कहा कि पत्रकारों और यू-ट्यूबरों की कलम व आवाज निष्पक्ष रहेगी, तभी जनता का भरोसा कायम रहेगा। उन्होंने युवाओं से जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने और हर मामले में सभी पक्षों की जानकारी लेने की अपील की। विजय यादव ने पट्टी विधानसभा के पत्रकारों और यू-ट्यूबरों, विशेषकर युवा साथियों को संबोधित करते हुए कहा कि हाल के दिनों में कुछ निजी यू-ट्यूब चैनलों से जुड़े युवा पट्टी विधानसभा के गांवों और बाजारों में जाकर लोगों से क्षेत्र के विकास एवं समस्याओं को लेकर बातचीत कर रहे हैं। यह लोकतंत्र में जनसरोकारों को सामने लाने की अच्छी पहल है और इसका स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं पर चर्चा जरूर होनी चाहिए, लेकिन इसके साथ यह भी देखा जाना चाहिए कि संबंधित समस्या कितने समय से चली आ रही है और उसके लिए जिम्मेदार कौन है।

उन्होंने कहा कि यदि पट्टी विधानसभा में पिछले 25-30 वर्षों से समस्याएं हैं तो केवल वर्तमान पांच वर्षों को ही उनके लिए जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। उन्होंने पत्रकारों से आग्रह किया कि विकास कार्यों की पड़ताल करते समय पूर्व की सरकारों और जनप्रतिनिधियों के कार्यकाल की भी निष्पक्ष समीक्षा की जाए। विजय यादव ने पट्टी में किसानों से जुड़े मंडी प्रोजेक्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान किसानों के लिए मंडी का प्रोजेक्ट स्वीकृत हुआ था। इसके लिए जमीन का अधिग्रहण किया गया और किसानों को मुआवजा भी दिया गया। निर्माण के लिए धनराशि आवंटित होने के बावजूद बाद में सरकार बदली और तत्कालीन विधायक एवं मंत्री मोती सिंह के कार्यकाल में भी मंडी की स्थिति क्या रही, यह क्षेत्र की जनता के सामने है। उन्होंने पत्रकारों से इस मुद्दे पर भी गंभीरता से पड़ताल करने की अपील की।

उन्होंने पट्टी-चांदा मार्ग का मुद्दा उठाते हुए कहा कि वर्ष 2022 में काफी प्रयासों और चर्चा के बाद सड़क का टेंडर हुआ तथा कार्य शुरू भी हुआ, लेकिन बाद में काम बंद हो गया। उन्होंने कहा कि पत्रकार इस मामले की तहकीकात करें कि आखिर सड़क निर्माण क्यों रुका, संबंधित फर्म पर क्या कार्रवाई हुई और अब तक कार्य पूरा क्यों नहीं हो सका। विजय यादव ने कहा कि पत्रकारों को यह भी जानकारी जनता के सामने रखनी चाहिए कि पिछले साढ़े चार वर्षों में शासन की ओर से पट्टी विधानसभा क्षेत्र में कितनी नई सड़कों को स्वीकृति मिली और यदि नई सड़कें स्वीकृत नहीं हुईं तो इसके पीछे क्या कारण रहा। उन्होंने जिला मुख्यालय पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हालिया कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि पट्टी विधानसभा क्षेत्र के लिए वहां से क्या सौगात मिली और यदि नहीं मिली तो उसके कारणों पर भी पत्रकारों को सवाल उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पूरे जिले और पूरे प्रदेश के होते हैं, इसलिए विकास के मामले में किसी भी क्षेत्र के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। वर्तमान विधायक राम सिंह के संबंध में विजय यादव ने कहा कि विधायक के पास मुख्य रूप से विधायक निधि सहित उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से क्षेत्र की समस्याओं के समाधान का प्रयास करने की जिम्मेदारी है।

उन्होंने दावा किया कि विधायक अपने कार्यकर्ताओं और आम लोगों के उन क्षेत्रों में विकास कार्य कराने का प्रयास कर रहे हैं, जहां अभी तक बिजली, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं पहुंच सकी हैं। उन्होंने कहा कि कई बार प्रयासों के बाद सड़कों की मरम्मत आदि के कार्य स्वीकृत होते हैं, लेकिन इसके बाद राजनीतिक श्रेय लेने की होड़ शुरू हो जाती है। उन्होंने कहा कि यदि कोई कार्य पूर्व मंत्री या पूर्व जनप्रतिनिधि के प्रयास से हुआ है तो उसका श्रेय उन्हें मिलना चाहिए, लेकिन जो कार्य वर्तमान विधायक के प्रयास से हो रहे हैं, उनकी जिम्मेदारी भी वर्तमान जनप्रतिनिधि की ही मानी जानी चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से इसी आधार पर तथ्यों की जांच कर खबरें और चर्चाएं करने की अपील की। विजय यादव ने युवा पत्रकारों और यू-ट्यूबरों से कहा कि वे अभी अपने करियर की शुरूआत में हैं। यदि उनकी कलम और आवाज निष्पक्ष रहेगी तो आमजन के बीच उनकी स्वीकार्यता बढ़ेगी और वे भविष्य में पत्रकारिता के क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभा सकेंगे।

उन्होंने कहा कि विधायक राम सिंह सरल और गंभीर स्वभाव के व्यक्ति हैं तथा किसी के प्रति द्वेष नहीं रखते। क्षेत्र की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों और शासन के स्तर पर लिखित एवं मौखिक रूप से रखने का प्रयास करते हैं। उन्होंने विपक्षी दलों से जुड़े मुद्दों पर भी अपनी बात रखते हुए कहा कि प्रदेश में ऐसी सरकार है जो विपक्ष को समाप्त करना चाहती है। हालांकि उन्होंने कहा कि पट्टी विधानसभा की जनता समझदार है और वह सब कुछ समझती है। उन्होंने पत्रकारों से अपील की कि वे किसी एक पक्ष की बात को अंतिम सत्य मानने के बजाय सभी पक्षों से जानकारी लेकर वास्तविक जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाएं। उन्होंने कहा कि जिसकी जितनी जिम्मेदारी बनती है, उसकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

समाजवादी पार्टी के संभावित प्रत्याशी को लेकर होने वाली चचाओं पर विजय यादव ने कहा कि पट्टी विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान में समाजवादी पार्टी के विधायक राम सिंह हैं और उन्होंने पिछले चुनाव में बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी। इसलिए टिकट को लेकर उन्हें कोई संशय नहीं है। उन्होंने कहा कि टिकट को लेकर अंतिम फैसला पार्टी का शीर्ष नेतृत्व करेगा और पार्टी का जो भी निर्णय होगा, समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एकजुट होकर स्वीकार करेंगे तथा आगामी चुनाव में पार्टी को मजबूत करने के लिए काम करेंगे।

विद्युत तार चोरी गिरोह का पदार्फाश, आठ गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। थाना कपूरपुर पुलिस ने विद्युत तार चोरी करने वाले एक गिरोह का पदार्फाश करते हुए उसके आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से करीब 3.20 कुंतल चोरी का विद्युत तार, चोरी करने के उपकरण, 08 अवैध चाकू तथा वारदात में प्रयुक्त कार बरामद की है।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ के दौरान थाना कपूरपुर क्षेत्र के ग्राम सिरोधन में बनी नई कॉलोनी तथा जनपद शामली के थाना कांधला क्षेत्र में विद्युत तार चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी शातिर किस्म के विद्युत तार चोर एवं अपराधी हैं। इनके विरुद्ध जनपद गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद एवं हापुड़ में डकैती, विद्युत तार चोरी, आर्म्स एक्ट तथा गैंगस्टर एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में करीब तीन दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। कपूरपुर पुलिस की इस कार्रवाई से विद्युत तार चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास एवं अन्य घटनाओं में उनकी संलिप्तता की जांच की जा रही है।

टपके बगिया इस्लाम नगर में निकला जुलूस-ए-मुहम्मदी, अकीदतमंदों ने लिया हिस्सा

वेलकम इंडिया/मयूर खान

आगरा। टपके बगिया क्षेत्र के इस्लाम नगर में हर साल की तरह इस साल भी जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर जुलूस-ए-मुहम्मदी बड़े हर्षोल्लास और अकीदत के साथ निकाला गया। क्षेत्रीय जनता ने बड़ी संख्या में जुलूस में शामिल होकर पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की शान में अपनी अकीदत का इजहार किया। जुलूस को लेकर क्षेत्र में सुबह से ही उत्साह का माहौल बना हुआ था और अलग-अलग स्थानों से बड़ी संख्या में लोग जुलूस में शामिल होने के लिए पहुंचे। जुलूस का शुभारंभ टपके बगिया इस्लाम नगर स्थित टीले वाले मदरसे से हुआ। यहां से जुलूस रोड वाली मस्जिद, टपके बगिया शाह नगर बंबा सहित क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से होकर आगे बढ़ा। रास्ते में कई स्थानों पर अकीदतमंद जुलूस में शामिल होते गए। विभिन्न चौराहों पर भी बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए और जुलूस में शामिल लोगों का स्वागत किया।

जुलूस के दौरान अकीदतमंद नात-ए-पाक पढ़ते हुए आगे बढ़े और पूरे मार्ग में धार्मिक माहौल बना रहा। जुलूस वीर अब्दुल हमीद पार्क तक पहुंचा, जहां कार्यक्रम से जुड़े लोगों और अकीदतमंदों ने सहभागिता की। जुलूस में शामिल अकीदतमंदों ने नात-ए-पाक पढ़ते हुए और सलाम पेश करते हुए पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की शान में अपनी श्रद्धा और प्रेम व्यक्त किया। जुलूस में क्षेत्र के बच्चे, युवा, बुजुर्ग और सामाजिक लोग भी बड़ी संख्या में शामिल रहे। जुलूस के मार्ग में लोगों ने आपसी भाईचारे और सौहार्द का परिचय देते हुए आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया। जुलूस के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर थाना ट्रांस यमुना पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा। पुलिसकर्मियों ने जुलूस के मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था संभालने के साथ-साथ यातायात को सुचारु बनाए रखने में सहयोग किया। पुलिस की मौजूदगी और आयोजकों की ओर से की गई व्यवस्थाओं के चलते जुलूस के दौरान यातायात व्यवस्था में किसी प्रकार की बड़ी परेशानी नहीं हुई और वाहनों का आवागमन सामान्य रूप से जारी रहा। जुलूस में क्षेत्रीय पार्षद सज्जन अली सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक और क्षेत्रीय जिम्मेदार लोग शामिल रहे। इस दौरान शमशेर अब्बास, अफसर अब्बास, इशाक मोहम्मद, आकिल अब्बास, कुर्बान, परवेज, शोनू भाई, मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोग, शहीद अली शाह, पत्रकार मयूर खान सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने जुलूस में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया।

मोदीनगर बस अड्डे के पास गोदाम में चोरी का खुलासा, चार गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। थाना पिलखुवा पुलिस ने मोदीनगर बस अड्डे के पास स्थित गोदाम में हुई चोरी की घटना का अल्प समय में सफल अनावरण करते हुए एक बाल अपचारी सहित चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई 14 लोहे की प्लेट, एक अवैध चाकू तथा घटना में प्रयुक्त टैम्पो बरामद किया है। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अखिलेश यादव के खिलाफ अशोभनीय पोस्टर लगाए जाने पर सपा का प्रदर्शन

सपा जिलाध्यक्ष आनंद गुर्जर के नेतृत्व में एसएसपी कार्यालय पहुंचकर सौंपा ज्ञापन, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जनपद हापुड़ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के विरुद्ध कथित रूप से अशोभनीय पोस्टर लगाए जाने का मामला सामने आया है। समाजवादी पार्टी ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है समाजवादी पार्टी हापुड़ के जिलाध्यक्ष आनंद गुर्जर के नेतृत्व में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एसएसपी कार्यालय पहुंचे और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कथित रूप से अशोभनीय पोस्टर लगाने वाले लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की गई।इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष आनंद गुर्जर ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ इस तरह की ओछी और आपत्तिजनक हरकतें किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। उन्होंने पुलिस-प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों की पहचान करने तथा उनके खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक विरोध अपनी जगह है, लेकिन किसी भी नेता के खिलाफ अशोभनीय एवं आपत्तिजनक सामग्री का इस्तेमाल स्वीकार्य नहीं है। सपा जिलाध्यक्ष ने चेतावनी दी कि यदि मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो पार्टी कार्यकर्ता लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को मजबूर होंगे।ज्ञापन एवं प्रदर्शन के दौरान अयूब सिद्दीकी, मोहम्मद बिलाल, संजय गहलोत, अरुण ढाका, राजेश यादव, रविंद्र यादव, दीपिका, रेशमा यादव, यशी यादव, मुन्नी यादव, अंजू, संजय अग्रवाल, अब्दुल, आदेश गोस्वामी, फारूक प्रधान, श्याम सुंदर, ललित सिंह, अमित शर्मा, संजय सिंह यादव सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा में समाजवादी संवाद को मिल रहा व्यापक जनसमर्थन

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर। गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आशुतोष शर्मा लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों से जनसंवाद कर रहे हैं। समाजवादी संवाद कार्यक्रम के माध्यम से वह समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का संदेश जनता तक पहुंचा रहे हैं।आशुतोष शर्मा के नेतृत्व में विधानसभा क्षेत्र में अब तक 100 से अधिक समाजवादी संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। पार्टी की ओर से दावा किया गया है कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से दो लाख से अधिक लोगों के बीच पहुंचकर अखिलेश यादव के विचारों और समाजवादी पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाया गया है।लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे जनसंपर्क के माध्यम से आशुतोष शर्मा समाजवादी पार्टी के संगठन को विधानसभा क्षेत्र में मजबूत करने में जुटे हैं। कार्यक्रमों में स्थानीय समस्याओं, युवाओं, किसानों, रोजगार, शिक्षा और क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों पर भी लोगों से संवाद किया जा रहा है।पार्टी समर्थकों का कहना है कि आशुतोष शर्मा स्थानीय होने के साथ-साथ शिक्षित और जनता के बीच सक्रिय रहने वाले नेता हैं। क्षेत्र में लगातार जनसंपर्क और संवाद के चलते उन्हें गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के मजबूत संभावित प्रत्याशियों में से एक के रूप में देखा जा रहा है। उनके समर्थकों का दावा है कि उन्हें क्षेत्र की जनता का लगातार समर्थन मिल रहा है। हालांकि, आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अंतिम प्रत्याशी का निर्णय पार्टी नेतृत्व द्वारा किया जाना है। फिलहाल आशुतोष शर्मा का जनसंपर्क अभियान लगातार जारी है।

शांतिपूर्ण ढंग मनाया जुलूस मोहम्मदी, पुलिस की रही पैनी नजर

वेलकम इंडिया/फतेह खान

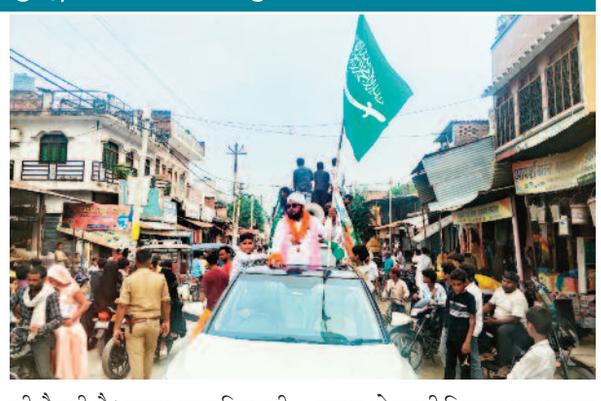

शुजागंज-अयोध्या। कोतवाली रूदौली क्षेत्र के अंतर्गत नगर क्षेत्रों में पैगंबरे इस्लाम मोहम्मद साहब के जन्मदिवस पर जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूस पूरे उत्साह और अकीदत के साथ निकाला गया। रुदौली नगर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक बड़ी संख्या में लोग जुलूस में शामिल हुए। जगह जगह मिठाई बांटकर और भाईचारे का संदेश देकर लोगों ने पर्व की खुशियां साझा कीं। जुलूस से पूर्व रोशनी और रंग-बिरंगी झालरों से सजी गलियों को भव्य तरीके से सजाया गया था।माहौल में उत्साह के साथ शांति और सौहार्द की तस्वीर दिखाई दे रही दी,उधर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन ने भी पूरी ताकत झोंक दी है। एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी की निगरानी में एसडीएम रुदौली विनोद गुप्ता, सीओ रुदौली अरविंद सोनकर और कोतवाली प्रभारी संजय मौर्य लगातार इलाके का भ्रमण कर रहे हैं।रूदौली नगर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस की तैनाती है। सड़क पर पुलिस की मुस्तैदी, सीसीटीवी की नजर और आसमान से ड्रोन की निगरानी तीन स्तर की सुरक्षा व्यवस्था के बीच जुलूस को सम्पन्न कराया गया।

संवेदनशील इलाकों और जुलूस मार्ग पर पुलिस अधिकारी लगातार नजर बनाए हुए थे प्रशासन का फोकस जुलूस को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने पर पूरी तरह से था। वहीं दूसरी ओर उक्त थाना के शुजागंज चौकी क्षेत्रों में भी मोहम्मद साहब के जन्म दिवस पर जुलूस मोहम्मदी निकाला गया जलूस का जगह जगह पर जोरदार स्वागत करते हुए लोगों को मिष्ठान पेयजल शरबत फल फास्टफूड वितरण किया गया जुलूस को सम्पन्न कराने में प्रभारी चौकी शुजागंज अभिषेक सिंह हेड कांस्टेबल इंद्रेश यादव कांस्टेबल रवि चौधरी सत्यम गुप्ता आदर्श यादव अंबुज सिंह शरद शर्मा राजेंद्र सिंह सौरभ यादव के साथ लगातार भ्रमण शील रहे। जुलूस में भाईचारा एकता, गंगा जमुनी तहजीब के साथ सौहार्द दिखाई दिया।

जुलूस मोहम्मदी शांतिपूर्ण सकुशल सम्पन्न हुआ

शुजागंज/अयोध्या। मवई थाना हजरत मोहम्मद साहब के जन्म दिवस पर जश्न-ए-मिलादुन्नबी क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जुलूस-ए-मोहम्मदी का जुलूस अकीदत के साथ निकाला गया। जुलूस का जगह-जगह अकीदतमंदों ने भव्य स्वागत किया।नेवरा में मदरसा आयशा लिल बनात के बच्चों ने जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला। जुलूस ए मोहम्मदी कोंडरा,सडवा,रजनपुर,नेवरा के गांव के लोगों ने मक्का,मदीना के मुजसमा के साथ बड़ी तादात में लोगों ने उपस्थित रह नारे तकबीर अल्लाह हु अकबर के नारे लगाते हुए नजर आए। जगह जगह जुलूस ए मोहम्मदी का जोरदार स्वागत किया। जुलूस के दौरान जगह-जगह फूलों की बारिश की गई और राहगीरों व अकीदतमंदों में मिष्ठान , शरबत फल, फास्टफूड वितरण किया गया। वहीं जुलूस ए मोहम्मदी का नेवरा में पूर्व प्रधान इदरीश खां के आवास पर समाजसेवी दानिश हुसैन व बड़ी संख्या में लोगों द्वारा जोरदार स्वागत कर मिठाई, फल फास्टफूड वितरित किया वहीं ग्राम रजनपुर में प्रधान कारी अजीमुद्दीन खां के आवास पर तकरीरी कार्यक्रम आयोजित किया गया,जहां जुलूस का गर्मजोशी से स्वागत हुआ। इस मौके पर कारी अजीमुद्दीन खां ने कहा कि हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम सारी इंसानियत के लिए रहमत बनकर आए। हमें उनकी सीरत को अपनाते हुए अमन,मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम हर इंसान तक पहुंचाना चाहिए जुलूस-ए-मोहम्मदी पैगाम-ए-रिसालत को आम करने का एक जरिया है। इस दौरान प्रमुख रूप से समाजसेवी दानिश हुसैन, पूर्व प्रधान इदरीश खां, सैय्यद मंजर अशरफ, कारी अजीमुद्दीन खां, मोहम्मद कैफ, मोहम्मद अंसार, पत्रकार अबु बकर, ऐश मोहम्मद, जुनेद गुज्जर, शुऐब खां, बाबा फहीम, पत्रकार राम दास सरल, गुल मोहम्मद, मकबूल अहमद, सिरताज अहमद, मुन्ना खां, बल्लन खां, इमरान खां, सवीना खातून, रिजवान

मातृशक्ति को सम्मान, रक्षाबंधन पर 48 घंटे नि:शुल्क बस यात्रा का उपहार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से महिलाओं को विशेष उपहार दिया गया है। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (वढरफ्ळउ) की बसों में महिलाओं के लिए नि:शुल्क यात्रा सुविधा के शुभारंभ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा। इस दौरान मातृशक्ति को सम्मानित करते हुए उन्हें उपहार स्वरूप साड़ी एवं मिष्ठान भी वितरित किया गया।मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप नारी सम्मान एवं सशक्तिकरण की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। रक्षाबंधन के अवसर पर 27 अगस्त से 29 अगस्त 2026 की मध्यरात्रि तक प्रदेश की सभी महिलाओं, माताओं एवं बहनों को सहयात्री सहित उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में नि:शुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य बहनों को रक्षाबंधन पर सम्मानपूर्वक उनके मायके तक पहुंचाना तथा महिलाओं के लिए शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक कार्यों के सिलसिले में यात्रा को सुगम बनाना है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के बाद 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं को बसों में आजीवन नि:शुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

देहरादून में निकली टपकेश्वर महादेव की भव्य शोभायात्रा, मुख्यमंत्री धामी हुए शामिल

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में बुधवार को भगवान श्री टपकेश्वर महादेव की 26वीं भव्य शोभायात्रा श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में निकाली गई। त्रयोदशी के पावन अवसर पर आयोजित इस शोभायात्रा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी शामिल हुए। उन्होंने टपकेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। मुख्यमंत्री के यात्रा में शामिल होने से श्रद्धालुओं और आयोजकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। शोभायात्रा का शुभारंभ सहारनपुर रोड स्थित श्री शिवाजी धर्मशाला से किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, महंत कृष्ण गिरी महाराज, दिगंबर भरत गिरी महाराज सहित देश-विदेश से पहुंचे संत-महात्माओं एवं अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर यात्रा का विधिवत शुभारंभ किया। इसके बाद गाजे-बाजे, धार्मिक धुनों और जयकारों के बीच शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए टपकेश्वर महादेव मंदिर की ओर रवाना हुई। रास्तेभर श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के जयकारे लगाए और यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। आयोजकों के अनुसार इस वर्ष शोभायात्रा को पहले की अपेक्षा और अधिक आकर्षक एवं भव्य स्वरूप प्रदान किया गया है। यात्रा में श्री टपकेश्वर महादेव, श्री दूधेश्वर महादेव, श्री तपेश्वर महादेव, श्री देवेश्वर महादेव तथा ब्रह्मलीन महंत माया गिरि महाराज का डोला विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। धार्मिक झांकियों और डोलों के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मार्ग के दोनों ओर मौजूद रहे। महंत कृष्ण गिरी महाराज और दिगंबर भरत गिरी महाराज ने बताया कि टपकेश्वर महादेव की शोभायात्रा क्षेत्र की धार्मिक एवं आध्यात्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसमें शामिल होते हैं। यात्रा का उद्देश्य भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाना भी है।

शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं और आम लोगों को आवागमन में परेशानी न हो, इसके लिए आयोजकों की ओर से विशेष व्यवस्थाएं की गईं। यात्रा मार्ग के प्रत्येक प्रमुख चौराहे पर सेवादारों की टीम पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर यातायात एवं भीड़ व्यवस्था संभालती रही। पुलिस और स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाने के साथ ही यातायात को सुचारु बनाए रखने में सहयोग किया। शोभायात्रा के दौरान स्वच्छता व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया। आयोजकों ने बताया कि 50-50 लोगों की दो सफाई टीमें अलग-अलग समय पर तैनात की गई हैं। ये टीमें शोभायात्रा के गुजरने के तुरंत बाद सड़क और आसपास के क्षेत्र की सफाई करेंगी, ताकि धार्मिक आयोजन के दौरान शहर की स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित न हो।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यात्रा के साथ दो एंबुलेंस भी तैनात की गई हैं। प्रत्येक आपात स्थिति से निपटने के लिए एंबुलेंस में दो डॉक्टर और चार नर्स मौजूद हैं। इसके अलावा किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए एक फायर ब्रिगेड वाहन भी शोभायात्रा के साथ चल रहा है। आयोजकों का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी के तहत सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। श्री शिवाजी धर्मशाला से शुरू हुई शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए टपकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी। मंदिर में यात्रा के पहुंचने के बाद धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

चकलेश्वर स्थित नंदबाबा मंदिर में झूला महोत्सव, पांच दिन होंगे विशेष दर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। पवित्र श्रावण मास के चकलेश्वर स्थित श्री नंदबाबा मंदिर में झूला महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। महंत विनोद जी ने बताया कि 24 अगस्त से शुरू हुआ झूला महोत्सव 28 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान प्रतिदिन शाम पांच बजे से रात नौ बजे तक श्रद्धालु विशेष झांकी के दर्शन कर सकेंगे।

मंदिर में सजाए गए विशेष झूले पर श्री राधारमण जी का मनोहारी स्वरूप विराजमान है। झूले के ऊपर मोर नृत्य करता हुआ नजर आता है, जबकि उसके नीचे सर्प नृत्य की आकर्षक झांकी सजाई गई है। झूले के नीचे अष्ट सखियों के स्वरूप विराजमान हैं। चार सखियों के बीच श्रीकृष्ण नृत्य करते हुए दिखाई देते हैं, जबकि चारों कोनों पर सारंगी, मंजीरा, मृदंग और पंखा लिए सखियों के स्वरूप झांकी की शोभा बढ़ा रहे हैं। पवित्र श्रावण मास के समापन के अवसर पर विशेष झूला महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर में की गई आकर्षक साज-सज्जा श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। उन्होंने श्रद्धालुओं से समय निकालकर मंदिर पहुंचने और विशेष झूला दर्शन का लाभ लेने का आह्वान किया।

ईद मिलादुन्नबी अकीदत व एहतराम के साथ मनाया गया, जुलूस निकालकर लोगों ने मनाई खुशी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बुद्धवार को दुधारा थाना क्षेत्र में ईद मिलादुन्नबी अकीदत व एहतराम के साथ मनायी गयी। इस दौरान क्षेत्र के दर्जनों गांवों में गगनभेदी नारों के साथ जुलूस निकाला गया। थाना दुधारा क्षेत्र में बुद्धवार को ईद मिलादुन्नबी पूरी अकीदत व एहतराम के साथ मनाया गया। अकीदतमंदों ने पहले गांवों में जुलूस निकाला। दशावा, गंगैचा, परसाशेख, लौकीलाला, सिसवा दाखिली, छितरापार, भिटवा, पकरी आराजी, पिपरा बोरिंग, बभनी, कुसुरूखुर्द, मिश्रालिया पराग, सुम्हा, गजौली सहित दर्जन भर गांव से अकीदतमंदो ने लोहरौली बाजार तक गगनभेदी नारों के साथ जुलूस निकाला। मौलाना जियाउल मुस्तफा और मौलाना सेराजुद्दीन निजामी के नेतृत्व में लोहरौली बाजार चौराहे पर भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस में मौलाना जियाउल मुस्तफा, सनाउल मुस्तफा, कारी अजीजुर्रहमान, सेराजुद्दीन, मौलाना जलालुद्दीन, हाफिज मुश्ताक, मौलाना कुमैल अशरफ, सपा नेता जयराम पाण्डेय, गौहर अली खान, प्रिया पाठक, मुहम्मद अहमद, मुमताज अहमद, रिजवान मुनीर सहित हजारों की संख्या में अकीदत मंदो ने शिरकत किये। लोहरौली बाजार में जुलूस निकालने के बाद एक तकरीरी प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमें उलेमा ने आखिरी पैगम्बर हजरत मोहम्मद(सल्ल.) की सीरत पर तफसीली रोशनी डाली। इस दौरान दुधारा थानाध्यक्ष अमित कुमार कुशवाहा की अगुवाई में पुलिस अमला सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मुस्तैद रहा।

कांग्रेस प्रवक्ता को भद्दी गद्दी गालियां देने के विरोध में कांग्रेसजनों ने फूका पुतला

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। कांग्रेस फिशरमैन के प्रदेश उपाध्यक्ष व पी सी सी सदस्य सतीश साहनी के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने अयोध्या हनुमान गढ़ी के महंत राजीव दास द्वारा डिबेट के दौरान कांग्रेस प्रवक्ता कुंवर सिंह निषाद को भद्दी भद्दी गालियां देने के विरोध में पुतला फूका। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने महंत राजीव दास के विरुद्ध कार्यवाही की मांग भी की तथा कड़ी नाराजगी जताई। इस मौके पर अखिलेश शर्मा जिलाध्यक्ष ओबीसी, महेश कुमार जिलाध्यक्ष अनुसूचित विभाग, विनय पाण्डेय ब्लॉक अध्यक्ष मेहदावल, सत्या त्रिपाठी,राम शरन सिंह सैंथवार, सचिन कुमार शर्मा, अमराई, अमरजीत निषाद आदि मौजूद रहे।

दबंग के विरोध के चलते रास्ते का निर्माण अटका, बारिश में ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। छाता तहसील क्षेत्र के गांव करहेला में रास्ते की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि एक दबंग के विरोध के चलते रास्ते का निर्माण कार्य नहीं हो पा रहा है। बारिश के मौसम में रास्ते पर कीचड़ और जलभराव होने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि खराब रास्ते के कारण बच्चों को स्कूल आने-जाने में दिक्कत होती है। वहीं, जलभराव और गंदगी के चलते बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। ग्रामीणों के मुताबिक, गांव में शादी-विवाह समेत अन्य जरूरी कार्यों के दौरान भी लोगों को इसी बदहाल रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि कल्याण सिंह, बाबू, बिजेंद्र, राजेंद्र, मोहन, सुंदर, गिरधारी, रामकिशन, अजय सिंह, बच्चू, कंजर भज्जी वाली और दाऊजी सहित कई ग्रामीणों ने रास्ते की समस्या को लेकर संबंधित जनप्रतिनिधियों और शासन-प्रशासन से कई बार शिकायत की है, लेकिन अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार गांव-गांव तक विकास पहुंचाने का दावा कर रही है, लेकिन करहेला गांव में जमीनी स्तर पर विकास की तस्वीर अलग नजर आ रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मौके पर पहुंचकर रास्ते की स्थिति का निरीक्षण कराने तथा जल्द से जल्द रास्ते का निर्माण कराए जाने की मांग की है।

पानीगांव की समस्याएं लेकर विधायक राजेश चौधरी के आवास पहुंचे ग्रामीण, समाधान का मिला आश्वासन

जूनियर हाईस्कूल को इंटरमीडिएट तक कराने की मांग और ओवरफ्लो पोखर से स्कूलों में जलभराव की समस्या के समाधान की उठाई मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। पानीगांव क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर बुधवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण मांट विधायक राजेश चौधरी के मथुरा स्थित आवास पर पहुंचे। जहां ग्रामीणों ने पानीगांव ओवरफ्लो पोखर की समस्या को लेकर क्षेत्र की शिक्षा और सरकारी विद्यालयों में जलभराव से जुड़ी समस्याओं से विधायक को अवगत कराते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की।

समाजसेवी मुन्ना चौधरी ने पानीगांव स्थित जूनियर हाईस्कूल को इंटरमीडिएट स्तर तक उच्चीकृत किए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई। ग्रामीणों का कहना था कि विद्यालय को उच्चीकृत किए जाने से क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को आगे की पढ़ाई के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और गांव के बच्चों को स्थानीय स्तर पर बेहतर शैक्षिक सुविधा मिल सकेगी। इस दौरान ग्राम पंचायत सहायक विष्णु सिंह ने पानीगांव में पोखर के ओवरफ्लो और उससे जुड़ी नाली की गंभीर समस्या विधायक के समक्ष रखी। उन्होंने बताया कि प्राथमिक विद्यालय पानीगांव द्वितीय के समीप वर्षों पुरानी पोखर बनी हुई है। बारिश अथवा पानी अधिक भरने की स्थिति में पोखर के ओवरफ्लो होने से प्राथमिक विद्यालय पानीगांव द्वितीय और पूर्व माध्यमिक विद्यालय परिसर में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। पंचायत सहायक विष्णु सिंह और ग्रामीणों के अनुसार जलभराव के कारण विद्यालय आने वाले बच्चों और शिक्षकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। आरोप है कि समस्या की जानकारी संबंधित अधिकारियों को कई बार दिए जाने के बावजूद स्थायी समाधान नहीं हो सका है। ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी अभिमन्यु सेठ और ग्राम सचिव की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि समस्या के समाधान के बजाय जिम्मेदार अधिकारी इससे बचते नजर आते हैं। मीडिया के माध्यम से मामला सामने आने के बाद भी समस्या का प्रभावी निस्तारण नहीं हुआ। और खानापूर्ति करके हर बार जिम्मेदारी से बचते हैं इसी को लेकर ग्रामीणों ने विधायक राजेश चौधरी से हस्तक्षेप कर ओवरफ्लो पोखर और नाली की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की। जिससे विधालयों में जलभराव की समस्या का जल्द समाधान हो सके ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के बाद विधायक ने उन्हें जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि विधायक के हस्तक्षेप के बाद पानीगांव के विद्यालयों में जलभराव और जलनिकासी की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा तथा जूनियर हाईस्कूल को इंटरमीडिएट स्तर तक उच्चीकृत करने की मांग पर भी सकारात्मक कार्रवाई होगी। वहीं विधायक ने ग्राम पंचायत सहायक और ग्रामीणों की समस्या को सुनने के बाद शिक्षा विभाग के बीएसए को मौके पर पहुंच कर निरीक्षण करने के निर्देश दिए और जल्द समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया, वहीं खंड विकास अधिकारी अभिमन्यु सेठ और ग्राम सचिव द्वारा निरीक्षण के नाम पर खानापूर्ति की गई लेकिन धरातल पर पूर्व एसडीएम के आदेशों के बाद भी नाली निर्माण या फिर स्थाई समाधान नहीं हो सका है। जबकि खंड विकास अधिकारी अभिमन्यु सेठ ने पूर्व में बताया था की तहसील से अवैध कब्जा हटवाने को टीम बनाई जा रही है लेकिन लगभग डेढ़ महीने बाद भी कोई टीम तैयार नहीं हुई जिसके कारण आज भी ओवरफ्लो पोखर से विधालयों में जलभराव की गंभीर समस्या समय-समय पर उत्पन्न होती है। जिसकी पंचायत सहायक विष्णु सिंह और ग्रामीणों ने भाजपा विधायक राजेश चौधरी से शिकायत की है। इस दौरान शिकायत लेकर पहुंचे ग्रामीणों में समाज सेवी मुन्ना चौधरी, ग्राम पंचायत सहायक विष्णु सिंह, भोपा चौधरी, पुष्पेन्द्र शर्मा, चंदन और विष्णु के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

एफिलिएटेड स्कूल्स एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी गठित, डॉ. अनिल यदुवंशी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। एसोसिएशन ऑफ एफिलिएटेड स्कूल्स, मथुरा की 23 अगस्त को हुई बैठक में विद्यालयों से जुड़े विभिन्न विषयों और समस्याओं पर चर्चा की गई। मुख्य चुनाव अधिकारी संजय पाठक की अध्यक्षता में तथा दीपक मुकुटमणि के क्रियान्वयन में साधारण सभा ने वर्ष 2026 के लिए नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया। इसमें डॉ. अनिल यदुवंशी को अध्यक्ष और इंजी. हरे कृष्ण शर्मा एडवोकेट को मुख्य सचिव चुना गया।

कार्यकारिणी में डॉ. कुलदीप कुमार लवानिया और डॉ. अशोक कुमार सिकरवार को उपाध्यक्ष, शशि शर्मा को सचिव, इंजी. आकाश सिंघल को संयुक्त सचिव, अमरजीत सिंह को उप सचिव, अभिषेक गोयल को कोषाध्यक्ष, आशीष भाटिया को विधि सलाहकार और अतुल चौधरी को मीडिया प्रभारी बनाया गया। सदस्य के रूप में मनोज शर्मा, मनोज चौधरी, विजय सिंह और संजय शर्मा को शामिल किया गया है।

बैठक में संरक्षक समिति का भी गठन किया गया। इसमें मोहन स्वरूप भाटिया, वीरेंद्र गोयल, डॉ. अनिल कुमार बाजपेयी, संजय पाठक, हीरा सिंह और डॉ. ओम प्रकाश शर्मा को संरक्षक सदस्य बनाया गया। नई कार्यकारिणी ने विद्यालयों से संबंधित शासकीय आदेशों की उचित व्याख्या, विद्यालयों की समस्याओं का निराकरण तथा प्रशासन और विद्यालयों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन शैक्षिक वातावरण को सुदृढ़ करने और विद्यालयों के हितों से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए प्रभावी भूमिका निभाएगा।

नववर्ष मेला समिति द्वारा लगाया गया रक्तदान शिविर

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में नववर्ष मेला समिति मथुरा एवं सदभावना चैरिटेबल ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में रक्षाबंधन पर्व को समर्पित एक रक्तदान शिविर का आयोजन सरस्वती शिशु मन्दिर दीनदयाल नगर में बुधवार को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक किया गया। 51 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

रक्तदान शिविर का शुभारंभ नववर्ष मेला समिति महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ० डी०पी० गोयल ने संयुक्त रूप से माँ शारदे की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर एवं माल्यार्पण कर किया। प्रातः 10 बजे से ही समिति के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य और अन्य समाजसेवी लोग बड़े ही उत्साह और जोश के साथ रक्तदान करने लगे। सभी रक्तदान करने वाले रक्तदानदाताओं को वालिंटियर कार्ड, प्रमाण पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। सभी रक्तदानदाताओं को जूस और अल्पाहार दिया गया।

समिति महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने रक्षाबंधन पर्व के महत्व के साथ रक्तदान शिविर को जोड़ते हुए, द्रौपदी-कृष्ण, वामन भगवान-राजा बली, गुरू- शिष्य सम्बन्ध के उदाहरण दिए। रक्तदान भी किसी न किसी की रक्षा के लिए किया जाने वाला सेवाकार्य हैं। उन्होंने बताया कि नववर्ष मेला समिति के रजत जयंती वर्ष में सेवा कार्यों के अंतर्गत आज यह प्रथम रक्तदान शिविर लगाया गया है। रक्तदान महादान है। इस रक्षाबंधन पर्व पर कार्यकताओं ने स्व प्रेरणा से रक्तदान कर मानवता धर्म का पालन किया है। रक्तदान महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव, भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर उर्फ राजू यादव एवं उपाध्यक्ष रामकिशन पाठक, प्रदीप अग्रवाल, दीपेश, प्रिया वशिष्ठ, राजेश पचौरी, आशा अग्रवाल ,चंचल, दौजी सैनी, कान्हा यादव, मानस पचौरी, देवान्शु एवं पूजा अग्रवाल आदि सहित 51 कार्यकताओं ने किया।

इस अवसर पर समिति संरक्षक जयप्रकाश शर्मा, लकी कमल, डा० संजय अग्रवाल, विजय बंटा, डा० दीपा अग्रवाल, गंगाधर अरोरा, अनिरुद्ध, योगेश आभा, डा० रुचि अग्रवाल, राजकुमार, अजय अग्रवाल, सद्भावना ब्लड बैंक के डॉ० भूदेव सिंह, डॉ० प्रदीप पाराशर, डायरेक्टर संजीव सारस्वत, तरूण, सुशील, सौरभ, पंकज, रवि आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक ने क्षेत्र के दर्जनों गांवों में किया जनसंपर्क, लोगों से मिलकर जाना कुशलक्षेम

संतकबीरनगर (वेलकम इंडिया)। खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे ने बुधवार को विभिन्न गांवों में पहुंचकर लोगों से संवाद की और उनसे हालचाल जाना। क्षेत्र के मुस्तफाबाद, थुरंडा, देवरियालाल, दशावां, परसाशेख, दुधारा, कोहरियावां सहित दर्जनों गांवों में जनसंपर्क कर क्षेत्र की समस्याओ की जानकारी ली। इस दौरान दुधारा में पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे ने लोगों से संवाद करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में उतरने का एलान वह पहले ही कर चुके हैं। उनके इस बयान से राजनीतिक तापमान बढ़ गया है। विधानसभा का प्रतिनिधित्व कर चुके पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे जनपद के कद्दावर नेता हैं। जनपद की राजनीतिक दिशा तय करने में माहिर जय चौबे ने अपने समर्थको से तैयारी में जुट जाने को भी कहा। पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे ने दुधारा में मीडिया से बातचीत में कहा कि क्षेत्रवासियों के मान सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जायेगा। चुनाव हारने के बाद भी लगातार क्षेत्र में लोगों से मिलकर उनकी मदद करते रहते हैं। कभी भी मैंने जाति धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं किया। मेरे लिये सभी लोग बराबर हैं। जनता के साथ हमेशा मैं खड़ा रहा हूं और आगे भी खड़ा रहूँगा। इस दौरान दी माडर्न पब्लिक स्कूल दुधारा के डायरेक्टर मोहम्मद अहमद, दुधारा के प्रधान अब्दुल कलाम, पूर्व प्रधान मुशीर अहमद, जातेडीहा के प्रधान नसीमुद्दीन, संजय सिंह, पिपरा हसनपुर प्रधान इसरार अहमद, फखरे आलम सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

अकीदत के रंग में रंगा शेरपुर, शानो-शौकत से निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

ईद मिलादुन्नबी पर नगर से देहात तक दिखा अकीदत और जोश, जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। पैगंबर- ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के यौमे विलादत यानी ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर बुधवार को पूरनपुर क्षेत्र अकीदत और उल्लास से सराबोर नजर आया। पूरनपुर नगर के साथ शेरपुर कलां में भी सुबह करीब आठ बजे अदब व शानो-शौकत के साथ जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों समेत बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। जुलूस के आगे-आगे परचम लहराते हुए लोग चल रहे थे, जबकि विभिन्न मोहल्लों से टोलियों के रूप में लोग जुलूस में शामिल होते रहे। इस दौरान वातावरण नातों और ह्लसरकार की आमद मरहबाह्व की सदाओं से गूंजता रहा। जुलूस मार्ग पर जगह-जगह लोगों ने फूलों की बारिश कर अकीदतमंदों का स्वागत किया। कई स्थानों पर तबर्रुक और लंगर का भी इंतजाम किया गया।जुलूस में शामिल उलमा-ए-किराम ने तकरीर के माध्यम से पैगंबर-ए-इस्लाम की सीरत और उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने इंसानियत, अमन, भाईचारे और नेक राह का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से नबी-ए-करीम की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने तथा समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारा कायम रखने की अपील की।ईद मिलादुन्नबी के मौके पर लोगों ने अपने घरों में तरह-तरह के पकवान तैयार कर फातिहाख्वानी कराई। जुलूस को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। पूरे मार्ग को आकर्षक ढंग से सजाया गया था।जुलूस की व्यवस्था और देखरेख टीटीएस शेरपुर कलां की ओर से की गई। जुलूस में जामा मस्जिद के इमाम तहसीन रजा, कुरैशियान मस्जिद के इमाम मौलाना साजिद रजा, नूरी मस्जिद के इमाम मौलाना हसमत रजा, सुनहरी मस्जिद के इमाम हाफिज कारी अरशद रजा, इमाम हाफिज अनीस, इमाम आसिफ रजा, रजा नगर मस्जिद के इमाम मौलाना वासिल जफर, कारी बजरूल कमर हसन, मुस्तफा रजा, हाफिज अमन रजा, हाफिज इरफान, हाफिज रेहान और कारी जावेद समेत बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे।जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस-प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा। जुलूस मार्ग पर पुलिस बल तैनात रहा और अधिकारियों ने व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रखी।

बिना अनुमति कैराना मार्ग पर लगाया गया साप्ताहिक बाजार, एसडीएम ने जांच के दिए

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के कैराना मार्ग पर प्रशासन की अनुमति के बिना साप्ताहिक बाजार लगाए जाने का मामला सामने आया है। बाजार में बड़ी संख्या में महिला और पुरुष खरीदारी करने पहुंचे। वहीं, बाजार में सुरक्षा व्यवस्था के साथ बारिश से बचाव के पर्याप्त इंतजाम भी नजर नहीं आए। दुकानदार फिरोज ने बताया कि पहले साप्ताहिक बाजार कस्बे में लगाया जाता था। बाजार को लेकर व्यापार मंडल की ओर से विरोध किया गया था। इसके बाद अब बाजार का स्थान बदलकर हर सप्ताह कैराना मार्ग पर लगाया जावेगा।मामले की जानकारी मिलने पर एसडीएम कैराना शिवाजी यादव ने बताया कि उनके कार्यालय से साप्ताहिक बाजार लगाने के लिए किसी प्रकार की अनुमति नहीं दी गई है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए टीम भेजी जाएगी। जांच में यदि बाजार बिना अनुमति के लगाया जाना पाया गया तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी और कांवड़ियों का किया स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। तहसील क्षेत्र के गांव शेरपुर कलां निवासी समाजसेवी जेगम खां ने जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की मिसाल पेश की। उन्होंने ईद मिलादुन्नबी के जुलूस में शामिल अकीदतमंदों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इसके साथ ही धनाराघाट स्थित शारदा नदी से पवित्र जल लेकर लौट रहे कांवड़ियों पर भी पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान लोगों ने उनके इस पहल की सराहना करते हुए इसे सामाजिक एकता की दिशा में सकारात्मक कदम बताया।जश्ने ईद मिलादुन्नबी के जुलूस के दौरान समाजसेवी जेगम खां ने अकीदतमंदों का फूल बरसाकर स्वागत किया और सभी को पर्व की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद शारदा नदी से जल लेकर लौट रहे कांवड़ियों का भी उन्होंने उसी उत्साह के साथ स्वागत किया। इस दौरान मौजूद लोगों ने आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया।समाजसेवी जेगम खां ने कहा कि भारत की पहचान उसकी विविधता और गंगा-जमुनी तहजीब से है। अलग-अलग धर्म और समुदाय के लोग सदियों से एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होते आए हैं। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों के लोगों को एक-दूसरे की आस्था और त्योहारों का सम्मान करना चाहिए। आपसी प्रेम और भाईचारा कायम रखने से समाज में शांति और सौहार्द का वातावरण मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों को एक-दूसरे के प्रति सम्मान और सद्भाव बढ़ाने का माध्यम बनाया जाना चाहिए। किसी भी धर्म का त्योहार हो, सभी को मिलजुलकर उसका सम्मान करना चाहिए। यही भारतीय संस्कृति की खूबसूरती है। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और क्षेत्र के लोग मौजूद रहे। लोगों ने कहा कि समाजसेवी जेगम खां की ओर से अकीदतमंदों और कांवड़ियों दोनों का स्वागत किया जाना क्षेत्र में आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द की मजबूत मिसाल है। उनके इस प्रयास की क्षेत्र में जमकर सराहना की गई।

ई-रिक्शा की बैटरी में शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू स्थित बस स्टैंड पर बुधवार को शॉर्ट सर्किट के कारण ई-रिक्शा की बैटरी में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही आसपास अफरा-तफरी मच गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए किसी तरह बैटरी को ई-रिक्शा से बाहर निकालकर सड़क पर रख दिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बताया गया कि बैटरी में आग लगने के बाद मौके पर मौजूद किसी राहगीर ने घटना का वीडियो बना लिया। बाद में गंगेरू निवासी आदिल सलमानी ने वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए ई-रिक्शा चालकों से सावधानी बरतने की अपील की। वायरल वीडियो में बताया गया कि घटना गंगेरू बस स्टैंड की है और सभी ई-रिक्शा चालक बैटरियों की समय-समय पर जांच कराते हुए सावधानी बरतें।बैटरी में लगी आग का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद ई-रिक्शा चालकों में भी सुरक्षा को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

भूमि पर कथित कब्जे की शिकायत, जांच की मांग

जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर अपनी कृषि भूमि पर कथित अवैध कब्जे का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। मूंढापांडे थाना क्षेत्र के मिलक बुजपुर आशा निवासी अख्तियार पुत्र स्वर्गीय नूर हसन ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर अपनी कृषि भूमि पर कथित अवैध कब्जे का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसकी ग्राम मदनापुर स्थित खसरा संख्या 390 और खरगपुर जगतपुर स्थित खसरा संख्या 446 में कृषि भूमि है। शिकायतकर्ता ने कथित आरोप लगाया कि कुछ लोग इन जमीनों को ग्राम समाज की भूमि बताकर कब्जाने का प्रयास कर रहे हैं। उसने नवी हसन, महबूब और मतलूब समेत अन्य लोगों पर कथित रूप से दबंगई के जरिए जमीन पर कब्जे की कोशिश करने का आरोप लगाया है। शिकायत में लेखपाल से मिलीभगत का भी आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, काशीपुर-अलीगंज हाईवे से सटी खसरा संख्या 362 की करीब चार बीघा भूमि पर भी कथित कब्जा किया गया है। आरोप है कि इस भूमि पर निर्माण कर दुकानों और भवन का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा सरकारी स्कूल के पास करीब दो बीघा से अधिक भूमि पर भी कथित अवैध कब्जे की बात कही गई है। अख्तियार ने जिलाधिकारी से संबंधित भूमि की उच्चाधिकारियों से जांच और मौके का मुआयना कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में उनकी भूमि ग्राम समाज की पाई जाती है तो वह उसे ग्राम समाज को देने के लिए तैयार हैं, लेकिन यदि भूमि निजी स्वामित्व की पाई जाती है तो कथित कब्जा हटाकर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। शिकायतकर्ता ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर कथित अवैध कब्जे और निर्माण की स्थिति स्पष्ट करने तथा आरोप सही पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

खबर का असर: अतिक्रमण हटाकर नालियों की कराई सफाई, जल निकासी हुई दुरुस्त

कांधला (वेलकम इंडिया)। नगर में अतिक्रमण और जलभराव की समस्या को लेकर प्रकाशित खबर का असर बुधवार को देखने को मिला। खबर प्रकाशित होने के बाद नगर पालिका परिषद की टीम ने मौके पर पहुंचकर दुकानों के बाहर किए गए अतिक्रमण को हटवाया। साथ ही नालियों की सफाई कराकर जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराई गई। विगत मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत के ब्लॉक अध्यक्ष विकास चौहान और सोशल मीडिया प्रभारी रईस पठान ने समस्या का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि रेलवे मार्ग पर लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है और नालियों की नियमित सफाई नहीं होने के कारण बारिश का पानी सड़कों पर भर जाता है। बारिश के दौरान सड़कें तालाब में तब्दील हो जाती हैं, जिससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।मीडिया में खबर प्रकाशित होने के बाद नगर पालिका प्रशासन हरकत में आया। बुधवार को पालिका कर्मचारियों ने रेलवे मार्ग पर पहुंचकर अतिक्रमण हटवाया और नालियों की सफाई कराई। कार्रवाई के बाद जल निकासी की व्यवस्था में सुधार हुआ। वहीं, किसान नेता विकास चौहान और रईस पठान ने बुधवार को सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित करने वाले नगर के सभी पत्रकारों का आभार जताया।

सदर हाजी डॉ. इजहार खान ने बांटे सम्मान के मोमेंटो हिंदू-मुस्लिम एकता और भाईचारे को दिया मजबूत संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संपूर्णानगर/पीलीभीत। ईद-ए-मीलादुन्नबी के मुबारक अवसर पर संपूर्णानगर की रजा जामा मस्जिद में सामाजिक सौहार्द और सेवा भावना से जुड़ा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। रजा जामा मस्जिद के सदर एवं समाजसेवी हाजी डॉ. इजहार अहमद खान ने जुलूस में बेहतर व्यवस्था और सहभागिता के लिए विभिन्न कमेटियों के पदाधिकारियों एवं समाजसेवियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बच्चों की हौसला- अफजाई भी की गई।इस दौरान मुफ़्ती आबिद रजा, हाजी मकबूल खान, रईस इदरीसी, नय्युम कुरैशी, मोअज्जिन आसिफ और शब्बीर बरकती को उनके सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। वहीं जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और चप्पे-चप्पे पर मुस्तैदी से ड्यूटी निभाने के लिए थानाध्यक्ष कृष्ण कुमार को भी मोमेंटो देकर सम्मानित करते हुए उनका आभार जताया गया।हाजी डॉ. इजहार अहमद खान ने कहा कि ईद-ए-मीलादुन्नबी का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और इंसानियत का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि जुलूस के रास्ते में लोगों के लिए हलवा, कोल्ड ड्रिंक, शरबत और अन्य खाद्य सामग्री की व्यवस्था कर सेवा करने वाले सभी लोगों ने सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल पेश की है। उन्होंने हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई समेत सभी सम्मानित क्षेत्रवासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि त्योहार तभी सार्थक होते हैं, जब समाज के सभी वर्ग मिल-जुलकर खुशियां साझा करें और एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े रहें। समारोह में सम्मानित किए गए लोगों ने भी सदर हाजी डॉ. इजहार अहमद खान का आभार जताया।इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष इश्तियाक खान, सरपरस्त सैयद मुईन, खजांची सिद्दीक खान, पर्यावरण प्रेमी एवं समाजसेवी डॉ. ई.ए. खान, शमशाद खान, गुलाम रसूल, भुट्टो खान, असलम कुरैशी, यूसुफ खान, अनवर खान, राशिद, आलम अंसारी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। समारोह ने क्षेत्र में आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का मजबूत संदेश दिया।

खेत में खड़ी ज्वार चोरी से काटकर ले जाने का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव गुर्जरपुर निवासी एक किसान ने एक व्यक्ति पर खेत में खड़ी ज्वार चोरी से काटकर ट्रैक्टर-ट्राली में भरकर ले जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। बुधवार को थाना क्षेत्र के गांव गुर्जरपुर निवासी किसान राशिद पुत्र लतीफ ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने खेत पर गया था। आरोप है कि वहां एक युवक उसकी खेत में खड़ी ज्वार को चोरी से काटकर ट्रैक्टर-ट्राली में भरकर ले जा रहा था। किसान ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ गाली-गलौज की।पीड़ित किसान ने बताया कि इससे पहले भी उसके खेत से कई बार ज्वार चोरी हो चुकी है। किसान ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

अश्लील हरकत छेड़छाड़ के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रतापगढ़ (वेलकम इंडिया)। नगर कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत नाबालिग छात्रा को बहला-फुसलाकर कार में बैठाकर ले जाने और उसके साथ छेड़छाड़ करने के मामले में पुलिस ने आरोपी बेगमवार्ड निवासी आरिश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार, मंगलवार को नाबालिग छात्रा के पिता ने नगर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि उनकी पुत्री कटरा मेदनीगंज स्थित मां शीतला देवी धाम से दर्शन कर घर लौटने के लिए साधन का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान आरोपी आरिश ने उसके पिता को जानने की बात कहकर उसे अपनी कार में बैठा लिया। आरोप है कि आरोपी नाबालिग को एटीएल ग्राउंड ले गया, जहां उसके साथ अश्लील हरकत और छेड़छाड़ की गई। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति की नजर वाहन में मौजूद नाबालिग पर पड़ी। उसने हस्तक्षेप करते हुए घटना की जानकारी परिजनों और पुलिस को दी। आरोपी मौके से कार लेकर भागने लगा। सूचना मिलने के बाद पुलिस और परिजनों ने वाहन का पीछा किया। करनपुर, सिविल लाइन स्थित वीटू मॉल के सामने वाहन को रोककर पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने नाबालिग के पिता की तहरीर पर अपहरण और छेड़छाड़ समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया।

बरखेड़ा में धनपति वर्मा का व्यापक जनसंपर्क, बदलाव का दिया संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। गुरुवार को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता धनपति वर्मा एडवोकेट ने 128 विधानसभा बरखेड़ा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का व्यापक भ्रमण कर ग्रामीणों से जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम प्रसादपुर, रम्पुरा फकीरे, शाहगढ़, करनापुर, कुंवरपुर, भैरों कलां, सपहा, ढकिया केसरपुर, सण्डई, कुंवरपुर ता. आन्दपुर, अभयपुर मु. शाहगढ़, बंगला उर्फ मित्रसेन, सिसैया, नदहा ता. माधोटांडा, उदयकरनपुर, जरा, पिपरिया नवदिया, कटपुरा भोपतपुर सकरिया, भैरे खुर्द और भूड़ा सरैदा सहित कई गांवों में लोगों से मुलाकात की।जनसंपर्क के दौरान धनपति वर्मा एडवोकेट ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जनता के सुख-दुख की सच्ची साथी है। पार्टी हमेशा किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं और गरीबों के हितों की आवाज मजबूती से उठाती रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं से आम जनता परेशान है। युवाओं के सामने रोजगार का संकट है, जबकि किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य और अन्य सुविधाएं हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर भी वर्तमान सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। सरकार की नीतियों से जनता में निराशा का माहौल है।धनपति वर्मा ने कहा कि समाजवादी पार्टी हर वर्ग की आवाज बनकर लगातार संघर्ष कर रही है। आने वाले समय में जनता के सहयोग और समर्थन से प्रदेश में बदलाव का रास्ता तैयार होगा। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं और अधिकारों की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाया जाएगा।उन्होंने पार्टी की नीतियों और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में पूर्व समाजवादी सरकार द्वारा कराए गए विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। साथ ही कार्यकताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, अधिक से अधिक लोगों से संवाद स्थापित करने और पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाने की अपील की। जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। धनपति वर्मा ने समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि समाजवादी कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझते हुए संघर्ष करते रहेंगे।

ईद मिलादुन्नबी पर सपा नेता सतेंद्र मौर्य ने किया स्वागत-सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। ईद मिलादुन्नबी के पावन अवसर पर 127 विधानसभा पीलीभीत क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ सतेंद्र मौर्य के नेतृत्व में स्वागत एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ब्लॉक अमरिया तथा पीलीभीत सिटी क्षेत्र के पकड़िया, नौगवां और आसम चौराहा सहित विभिन्न स्थानों पर जुलूस में शामिल लोगों के लिए जल एवं फल वितरण की व्यवस्था की गई।कार्यक्रम के दौरान सम्मानित इमामों एवं अन्य लोगों को रुमाल व वस्त्र भेंट कर उनका स्वागत किया गया। सतेंद्र मौर्य ने कहा कि ईद मिलादुन्नबी का पर्व आपसी भाईचारे, प्रेम, सौहार्द और इंसानियत का संदेश देता है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज में एकता और सद्भाव को मजबूत करने का अवसर मिलता है। उन्होंने सभी लोगों को ईद मिलादुन्नबी की शुभकामनाएं देते हुए आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ रहने का आह्वान किया।कार्यक्रम में 127 विधानसभा अध्यक्ष सदर पीलीभीत हाजी इम्तियाज अल्वी, जिला उपाध्यक्ष रूपराम कश्यप, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष निरंजन गंगवार, अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव हाजी शिबू मलिक, 127 विधानसभा उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग राशिद मलिक, परमजीत सिंह, राशिद खान, भूरा बारशी, हरपाल सिंह बौद्ध, नगर उपाध्यक्ष अशोक सैनी, क्षेत्र पंचायत सदस्य जितेंद्र मौर्य, देवकुमार मौर्य बौद्ध, सुनील मौर्य और पंकज मौर्य समेत कई लोग मौजूद रहे।इस दौरान कार्यकताओं ने जुलूस में शामिल अकीदतमंदों का स्वागत किया और राहगीरों को फल एवं पानी वितरित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने सहभागिता की। आयोजकों ने कहा कि धार्मिक पर्व समाज में प्रेम, सद्भाव और एकजुटता का संदेश देने का माध्यम हैं। सभी समुदायों के लोगों को एक-दूसरे के पर्वों में शामिल होकर सामाजिक सौहार्द को मजबूत करना चाहिए।

ईद-मिलाद-उन-नबी मोहब्बत, अमन और इंसानियत का पैगाम, हर तरफ जश्न का माहौल

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। ईद-मिलाद-उन-नबी करोड़ों मुसलमानों के लिए नबी की विलादत को याद करने, उनकी सीरत सुनने और उनके बताए रास्ते पर चलने की याद दिलाता है। मुस्लिम समुदाय के लिए ये दिन पैगंबर हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की विलादत की खुशी और उनकी सीरत को याद करने का खास मौका माना जाता है ईद-मिलाद-उन-नबी को आम तौर पर रबी-उल-अव्वल के महीने में पैगंबर हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की विलादत की याद में मनाया जाता है। इसीलिए इस मौके पर पैगंबर साहब की जिंदगी, उनके किरदार और उनकी शिक्षाओं को याद किया जाता है। आजाद नगर जामा मस्जिद के मौलाना ने कहा कि अल्लाह तबारक व तआला ने जब इस दुनिया को तख्लीक किया, तो सबसे पहले नबियों का सिलसिला शुरू हुआ। इसके बाद नबियों का सिलसिला जारी रहा। एक लाख चौबीस हजार या दो लाख चौबीस हजार नबी, जैसा कि रिवायतों में मिलता है, दुनिया में तशरीफ लाए। इन तमाम नबियों में सबसे आखिरी नबी हजरत मुहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की आमद हुई। जिस वक्त हमारे प्यारे आका नबी-ए-करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम इस दुनिया में तशरीफ लाए, उस वक्त हालात बेहद नाजुक थे. जमीनी सतह पर इंसानियत बहुत मुश्किल दौर से गुजर रही थी।डलेमा के मुताबिक पैगंबर हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की आमद को इस्लामी इतिहास में एक बेहद अहम पड़ाव के तौर पर देखा जाता है।मौलाना सैय्यद सुहैल ने कहा कि यह हमारे हुजूर, सरवरे कायनात, सरकार-ए-दो-आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की जब पैदाइश हुई है, उनकी विलादत की खुशी में मनाई जाती है। यानी इस दिन की तैयारियां सिर्फ सजावट तक सीमित नहीं रहतीं। घरों से लेकर मस्जिदों तक और मदरसों से लेकर मोहल्लों तक लोग अपने-अपने तरीके से इस दिन को मनाने की तैयारी करते हैं। कहीं घरों पर रोशनी की जाती है, कहीं धार्मिक महफिल का इंतजाम होता है, तो कहीं लोगों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था की जाती है। कई जगह जरूरतमंदों की मदद और लोगों में खाना बांटने जैसे सामाजिक काम भी किए जाते हैं।सिद्धार्थनगर जिले भर की गलियों में ईद-मिलाद के जुलूसों की अपनी एक अलग पहचान रही है। जुलूसों के रास्ते में पड़ने वाली मस्जिदों और बाजारों में भी सजावट देखने को मिलती है। नात और सलाम की आवाजों के बीच जब लोग जुलूस में आगे बढ़ते हैं तो माहौल पूरी तरह अकीदत के रंग में रंगा नजर आता है। हालांकि जुलूसों के रूट और कार्यक्रम हर इलाके में अलग होता हैं और स्थानीय प्रशासन के निदेर्शों के मुताबिक ही आयोजन किए जाते हैं। इस पूरे आयोजन के पीछे एक धार्मिक भावना है। अपने पैगंबर की विलादत की खुशी मनाना और उनकी जिंदगी को याद करना। यही वजह है कि जुलूसों और महफिलों में नात के साथ-साथ सीरत पर भी जोर दिया जाता है। ईद-मिलाद-उन-नबी सिर्फ एक दिन नहीं, बल्कि करोड़ों मुसलमानों के लिए अपने नबी की विलादत को याद करने, उनकी सीरत सुनने और उनके बताए रास्ते पर चलने की याद दिलाने वाला मौका है।

वाराणसी स्टेशन से दो नाबालिग बालिकाओं का रेस्क्यू, आरपीएफ ने परिजनों तक पहुंचाने की शुरू की कार्रवाई

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते अभियान के तहत रेलवे स्टेशन से घर से बिना बताए पहुंची दो नाबालिग बालिकाओं को सुरक्षित रेस्क्यू किया। आरपीएफ टीम ने दोनों बालिकाओं को संरक्षण में लेकर आवश्यक कार्रवाई के बाद रेलवे चाइल्ड लाइन को सुपुर्द कर दिया। रेलवे परिसर में गुमशुदा और घर से भटककर आने वाले नाबालिग बच्चों की सुरक्षा एवं उन्हें उनके परिजनों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आरपीएफ लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में 26 अगस्त 2026 को मंडल कार्यालय द्वारा गठित ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते टीम में तैनात महिला कांस्टेबल प्रीति और कांस्टेबल जयराम रेलवे स्टेशन परिसर में गश्त और चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान टीम प्लेटफॉर्म संख्या आठ और नौ पर पहुंची, जहां दो नाबालिग बालिकाएं संदिग्ध अवस्था में घूमती हुई दिखाई दीं। आरपीएफ जवानों ने दोनों से स्नेहपूर्वक बातचीत करते हुए स्टेशन पर आने का कारण पूछा। पूछताछ में बालिकाओं ने अपनी पहचान विद्या राज (16 वर्ष), पुत्री विजय कुमार, निवासी ग्राम मगरहुआ, थाना चौबेपुर, वाराणसी और रागनी (14 वर्ष), पुत्री अभीराज, निवासी ग्राम आयर, थाना चौबेपुर, वाराणसी के रूप में बताई। दोनों बालिकाओं ने बताया कि वे अपने घर पर बिना बताए रेलवे स्टेशन आ गई थीं। नाबालिगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आरपीएफ टीम उन्हें सुरक्षित रूप से आरपीएफ पोस्ट वाराणसी लेकर पहुंची। मौके की आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद दोनों बालिकाओं को रेलवे चाइल्ड लाइन के केस वर्कर सत्येंद्र कुमार को अग्रिम संरक्षण और आवश्यक प्रक्रिया के लिए सुरक्षित रूप से सुपुर्द कर दिया गया। आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के माध्यम से रेलवे परिसरों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, उन्हें संभावित खतरों से बचाने और जरूरतमंद बच्चों को उचित संरक्षण दिलाने के लिए लगातार निगरानी एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

95वीं बटालियन सीआरपीएफ में मना रक्षाबंधन, जवानों की कलाई पर बहनों ने बांधा रक्षा सूत्र

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। 95वीं बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) मुख्यालय पहड़िया में बुधवार को रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास और भावनात्मक माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं और विद्यालयों से पहुंची बहनों ने सीआरपीएफ जवानों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके प्रति सम्मान और स्नेह व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान 95वीं बटालियन के कमांडेंट राजेश्वर बालापुरकर ने कहा कि जवान अपने घर-परिवार से दूर रहकर देश की सेवा करते हैं। ऐसे आयोजनों का उद्देश्य उन्हें यह एहसास दिलाना है कि उनका परिवार उनके आसपास ही है और समाज उनके साथ खड़ा है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि अर्चना बालापुरकर रहीं। मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने रक्षाबंधन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, जवानों, बच्चों और विभिन्न संस्थाओं से आए लोगों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

95वीं बटालियन सीआरपीएफ की ओर से डायनेमिक स्कूल, संत अतुलानंद रेजिडेंशियल स्कूल, लायन्स क्लब वाराणसी, लीला फाउंडेशन क्लब और ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़ी बहनों ने जवान भाइयों के लिए रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया। बहनों ने जवानों के माथे पर तिलक लगाया, आरती उतारी, मुंह मीठा कराया और उनकी कलाइयों पर रंग-बिरंगी राखियां बांधीं। जवानों ने भी बहनों को सुरक्षा और सम्मान का भरोसा दिया। कार्यक्रम में 95वीं बटालियन की सुनीता देवी, कुमारी रिंकू, माधवी सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी आलोक कुमार, उप कमांडेंट नवनीत कुमार, सहायक कमांडेंट अभिषेक सिंह सहित अधिकारियों और जवानों ने हिस्सा लिया। इस दौरान 100 से अधिक सीआरपीएफ जवानों को बहनों ने रक्षा सूत्र बांधा। भावुक क्षणों में कई जवानों की आंखें नम हो गईं। कमांडेंट राजेश्वर बालापुरकर ने कहा कि लायन्स क्लब, लीला फाउंडेशन क्लब, संत अतुलानंद रेजिडेंशियल, ब्रह्माकुमारी संस्था और डायनेमिक स्कूल की बहनों ने ऐसा माहौल बना दिया, जैसे जवान अपने घर-परिवार के बीच हों। कार्यक्रम में संत अतुलानंद रेजिडेंशियल की किरण सिंह और छात्राएं, ब्रह्माकुमारी संस्था की तपोसी, राधिका और अन्य

प्रेमिका की राजस्थान में की हत्या, झाड़ियों में फैका शव, प्रेमी और दोस्त गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। राजस्थान के दौसा जनपद स्थित मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र में प्रेमिका की हत्या कर शव झाड़ियों में फेंकने के मामले में राजस्थान पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान थाना अहमदगढ़ क्षेत्र के गांव जीराजपुर निवासी गजेंद्र उर्फ सोनू मीणा और थाना पहासू क्षेत्र के गांव अजीजाबाद निवासी उसके दोस्त विवेक के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 22 वर्षीय मृतका डिबाई थाना क्षेत्र के गांव दानपुर की रहने वाली थी। पिछले करीब सात-आठ महीने से गजेंद्र उर्फ सोनू के साथ रह रही थी। बताया जा रहा है कि उसकी पूर्व में दो शादियां हुई थीं। लेकिन दोनों रिश्ते टूट गए थे। इसके बाद वह सोनू के साथ रह रही थी। आरोप है कि गजेंद्र अपने दोस्त विवेक के साथ प्रेमिका को मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में दर्शन कराने के बहाने राजस्थान ले गया। जहां दोनों ने उसकी हत्या कर दी। पहचान छिपाने के लिए आरोपियों ने उसके चेहरे को पत्थर से कुचल दिया और शव को मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र के मोरा मंदिर के पास झाड़ियों में फेंक दिया। 17 अगस्त को महिला का शव बरामद हुआ था। शुरूआत में महिला की पहचान नहीं हो सकी। इसके बाद राजस्थान पुलिस के डीआईजी०के निर्देश पर पुलिस टीम गठित कर जांच शुरू की गई। सीसीटीवी० फुटेज खंगालने पर महिला के साथ दो युवक जाते दिखाई दिए। राजस्थान पुलिस ने महिला की पहचान के लिए फोटो आसपास के राज्यों में भेजे और सार्वजनिक स्थानों पर भी फोटो प्रदर्शित किए। जांच के दौरान बुलंदशहर पुलिस की मदद से दोनों युवकों की पहचान गजेंद्र उर्फ सोनू मीणा निवासी जीराजपुर और उसके दोस्त विवेक निवासी अजीजाबाद के रूप में हुई। वहीं मृतका की पहचान डिबाई क्षेत्र के गांव दानपुर निवासी युवती के रूप में हुई। राजस्थान पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी गजेंद्र ने बताया कि करीब डेढ़ माह पहले उसकी दूसरी युवती से शादी हो गई थी। इसके बाद वह उस पर शादी करने का दबाव बना रही थी।

गैंगस्टर की धाराओं में 2 के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

स्याना/बुलंदशहर। स्याना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रामनारायन सिंह ने 2 के विरुद्ध गैंगस्टर की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। बताया कि दोनों अभियुक्तों का जनता एवं समाज में इतना भय व आतंक व्याप्त है कि जनता का कोई भी व्यक्ति अभियोग पंजीकृत कराने एवं गवाही देने का साहस नही करता है। जानकारी दी कि गैंग लीडर अभियुक्त इम्तियाज स्थायी निवासी अलीगढ़, अस्थायी पता करुला थाना क्षेत्र मझौला मुरादाबाद तथा सह अभियुक्त गिरोह सदस्य फिरोज स्थायी निवासी आजाद नगर, थाना क्षेत्र क्वारसी, अलीगढ, अस्थायी पता करूला थाना क्षेत्र मझौला, मुरादाबाद व महीग्राम रूड़की हरिद्वार तथा वजीर बाग थाना क्षेत्र शाहदत गंज लखनऊ के विरुद्ध यूपी गैंगस्टर एक्ट की धारा 2/3 के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। बताया कि अभियुक्त गैंग लीडर इम्तियाज ने सह अभियुक्त गैंग सदस्य फिरोज के साथ मिलकर संगठित अपराधिक गिरोह कायम कर रखा है।

थाना नरसेना का एसपी सिटी ने किया औचक निरीक्षण, दिए गये आवश्यक दिशा-निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

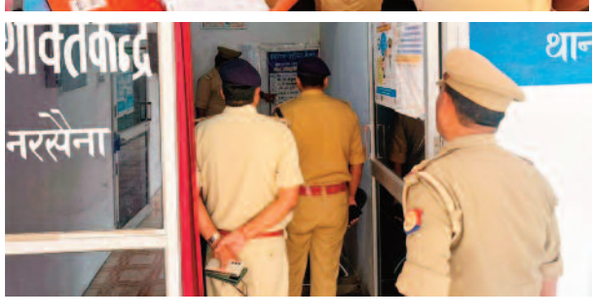

बुगरासी/बुलंदशहर। अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभिषेक प्रताप अजेय ने बुधवार को थाना नरसेना का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस, मैस, बैरक, मिशन शक्ति केंद्र तथा थाने में खड़े वाहनों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

एसपी सिटी ने थाना प्रभारी को सभी अभिलेखों को पूर्ण एवं व्यवस्थित रखने, हिस्ट्रीशीटर अपराधियों पर लगातार निगरानी बनाए रखने तथा थाना परिसर में साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिसकर्मियों को प्रतिदिन क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष सतर्कता बरतने को कहा। निरीक्षण के दौरान एसपी सिटी ने थाना नरसेना में नियुक्त रिक्रूट आरक्षियों से संवाद भी किया। उन्होंने पुलिस सेवा के दायित्वों, अनुशासन, जनता के साथ व्यवहार एवं कर्तव्यनिष्ठा के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन देते हुए उन्हें प्रेरित किया तथा उनका कुशलक्षेम जाना।

लक्ष्मी हॉस्पिटल में महा रुद्राभिषेक, वैदिक मंत्रों से गूंजा परिसर

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। सावन के पावन महीने में लक्ष्मी हॉस्पिटल, रोडवेज कैंट परिसर में श्री महा रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और भगवान शिव के जयघोष से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के अर्चक श्रीकांत मिश्र के नेतृत्व में ब्राह्मणों ने विधि-विधान और धार्मिक परंपराओं के अनुसार महा रुद्राभिषेक संपन्न कराया। इस दौरान भगवान शिव का पूजन-अर्चन कर विश्व कल्याण, सुख-समृद्धि, शांति और सभी के मंगल की कामना की गई। कार्यक्रम में लक्ष्मी हॉस्पिटल के चेयरमैन लक्ष्मी प्रसाद राय, भाजपा काशी क्षेत्र चिकित्सा प्रकोष्ठ के संयोजक एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक राय, कृभको के निदेशक अजय राय, डॉ. रक्षा राय, अभय राय, डॉ. आदर्श राय, दिव्यांशु राय सहित परिवार के सदस्य और बड़ी संख्या में विशिष्टजन मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि सावन माह में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है। इसी उद्देश्य से महा रुद्राभिषेक का आयोजन कर समाज और मानव कल्याण की प्रार्थना की गई। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

201 प्रकार के जल से किया गया बाबा विश्वनाथ का महा रुद्राभिषेक

भारत विकास परिषद शिवा शाखा ने कराया अनूठा धार्मिक आयोजन, रत्न-जड़ी-बूटियों समेत विभिन्न द्रव्यों से हुआ अभिषेक

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। दुगाकुंड स्थित श्री हनुमान प्रसाद पोद्दार अंध विद्यालय में भारत विकास परिषद शिवा शाखा के तत्वावधान में बाबा श्री काशी विश्वनाथ का भव्य महा रुद्राभिषेक श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। इस विशेष आयोजन में बाबा विश्वनाथ का 201 प्रकार के जल और विभिन्न पूजन सामग्रियों से विधि-विधान पूर्वक अभिषेक किया गया।

महा रुद्राभिषेक में करीब 80 प्रकार के रत्न एवं जड़ी-बूटियों, विभिन्न प्रकार के अनाज, मेवे, सुगंधित इत्र, दूध, दही, फलों के रस और देश की कई पवित्र नदियों के जल को शामिल किया गया। इन सभी द्रव्यों से तैयार 201 प्रकार के जल से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बाबा विश्वनाथ का अभिषेक किया गया। पूरे अनुष्ठान के दौरान मंत्रों की गूंज और भगवान शिव के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। आयोजन में करीब 40 युगल परिवारों ने सहभागिता की। महा रुद्राभिषेक के चार मुख्य यजमान कौशल शर्मा, अनूप अग्रवाल, राज कुमार गुप्ता और संजीव खेमका रहे। भारत विकास परिषद शिवा शाखा के सदस्य डॉ. पंडित प्रकाश मिश्र ने विधि-विधान के साथ महा रुद्राभिषेक संपन्न कराया। आयोजन में उनके बेटे और बेटी ने भी सहयोग किया, जबकि शाखा के सभी सदस्यों ने बारी-बारी से अभिषेक में भाग लिया। श्रद्धालुओं ने पूर्ण श्रद्धा और समर्पण के साथ भगवान शिव का पूजन-अर्चन कर परिवार, समाज और देश की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। रुद्राभिषेक के बाद भजन-कीर्तन और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष हरविंदर वालिया उपस्थित रहे। इसके अलावा भारत विकास परिषद शिवा शाखा के पूर्व अध्यक्ष कौशल पति शर्मा, तारा शर्मा, अध्यक्ष रघुदेव अग्रवाल, मंत्री डॉ. वी.पी. तिवारी, कोषाध्यक्ष राजकुमारी गुप्ता, डॉ. राजेश श्रीवास्तव, किशोर खंडेलवाल, वासुदेव गुप्ता, धीरज गुप्ता सहित शिवा परिवार के अनेक सदस्य और श्रद्धालु मौजूद रहे। श्रद्धालुओं ने बताया कि 201 प्रकार के जल, रत्न, जड़ी-बूटियों, अनाज, मेवे, इत्र, दूध, दही, फलों के रस और विभिन्न नदियों के जल से किया गया यह अभिषेक आध्यात्मिक रूप से विशेष महत्व रखता है। इस अनूठे आयोजन ने सभी श्रद्धालुओं को भक्ति और आस्था से जोड़ दिया। भारत विकास परिषद शिवा शाखा की ओर से बताया गया कि बाबा विश्वनाथ का यह महा रुद्राभिषेक लगातार तीन वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि सदस्यों की आस्था और सहयोग से यह आयोजन निरंतर भव्य रूप ले रहा है और भविष्य में भी इसे और विस्तार देने का प्रयास किया जाएगा। महा रुद्राभिषेक के समापन पर श्रद्धालुओं ने एक स्वर में हर-हर महादेव का जयघोष किया। श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत इस आयोजन ने सभी के मन में भगवान शिव के प्रति आस्था को और मजबूत किया।

डॉ. के. एन. मोदी इंस्टीट्यूट में पूल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का सफलतापूर्वक आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ. के. एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मोदीनगर में डीबी आरआरटीएस ऑपरेशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, दुहाई, गाजियाबाद द्वारा एक पूल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस पूल परिसर भर्ती अभियान में डॉ. के. एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, डॉ. के. एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, सी.एम.डी. मोदीनगर, एम.एम. कॉलेज मोदीनगर, गिन्नी देवी मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, गिन्नी देवी पी.जी. कॉलेज सहित 15 विभिन्न महाविद्यालयों एवं संस्थानों के 500 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।यह भर्ती अभियान अतिरिक्त किराया अधिकारी तथा ट्रेन परिचर के पदों के लिए आयोजित किया गया। चयनित विद्यार्थियों को 3.03 लाख प्रतिवर्ष का वेतन पैकेज प्रदान किया जाएगा। भर्ती प्रक्रिया में बी.बी.ए., बी.सी.ए., बी.कॉम., बी.ए. एवं बी.एससी. के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर गौरव कंसल, स्टेशन एवं वाणिज्यिक संचालन प्रमुख, डीबी आरआरटीएस ऑपरेशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं उनकी पूरी टीम ने विद्यार्थियों से संवाद किया तथा भर्ती प्रक्रिया, कार्य की प्रकृति एवं रोजगार के अवसरों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।इस भर्ती अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों को डीबी आरआरटीएस ऑपरेशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड जैसी प्रतिष्ठित संस्था के साथ अपने करियर को आगे बढ़ाने तथा उद्योग जगत के विशेषज्ञों से संवाद करने का महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) शिशिर रस्तोगी तथा कुलसचिव यू. एन. मिश्रा का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा। प्रो. (डॉ.) शिशिर रस्तोगी ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना संस्थान की प्राथमिकताओं में शामिल है। अजय प्रजापति ने कहा कि डॉ. के. एन. मोदी फाउंडेशन, मोदीनगर का प्रशिक्षण एवं नियोजन विभाग विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयासरत है। विभाग द्वारा नियमित रूप से परिसर भर्ती एवं पूल परिसर भर्ती अभियानों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित कंपनियों एवं संस्थानों में रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। संस्थान सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सफल करियर के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता है।

तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में सफल टीकाकरण अभियान

विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। विद्यालय के प्रबंधक विनोद कुमार माहेश्वरी की प्रेरणा से तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूलमें जिला विद्यालय निरीक्षक, गाजियाबाद के निदेर्शानुसार स्कूल आधारित टीकाकरण अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। गौरव माहेश्वरी एवं श्रीमती राधिका माहेश्वरी विद्यार्थियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुरक्षा और सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय में निरंतर टीकाकरण एवं इस प्रकार के अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन करवाती रहती हैं।दिनांक 24 अगस्त 2026 को विद्यालय परिसर में कक्षा 1 से 5 (5 से 10 वर्ष आयु वर्ग) तथा कक्षा 10 एवं 11 (16 वर्ष आयु वर्ग) के विद्यार्थियों के लिए एम.आर., डीपीटी-2 बूस्टर एवं टीडी टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग की टीम सविता कुमारी एएनएम, आशा भारती रीणा का विशेष योगदान रहा।कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी ओहरी जी ने आए हुए सभी स्वास्थ्यकर्मियों, अध्यापकों एवं अभिभावकों के सहयोग के लिए हृदय से धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया।विद्यालय सदैव विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।

मोदीनगर के जनमुद्दों को लेकर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने संजीव आर्य से की मुलाकात

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद विजयनगर स्थित जीकेजी पब्लिक स्कूल में जनपद गाजियाबाद कांग्रेस संगठन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी पूर्व विधायक संजीव आर्य रहे। इस दौरान मोदीनगर शहर अध्यक्ष की अनुपस्थिति में मोदीनगर से कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न ज्वलंत जनसमस्याओं से अवगत कराया और उनके समाधान को लेकर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में किसान कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर जोगेश नेहरा, पूर्व शहर अध्यक्ष एवं जिला उपाध्यक्ष आशीष शर्मा, जिला महासचिव नंदकिशोर शर्मा, जिला महासचिव एडवोकेट तरुण शर्मा एवं भोजपुर ब्लॉक अध्यक्ष भीष्म सिंह दूहन शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने 23 अगस्त को हुई भोजपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक की

स्वर्गीय सुखबीर सिंह को राजनीतिक एवं गणमान्य व्यक्तियों ने किए श्रद्धा सुमन अर्पित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। शेरावत फार्म हाउस में आयोजित स्वर्गीय चौधरी सुखबीर सिंह की आरष्टी एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल हुए सांसद डॉ राजकुमार सांगवान एवं स्थानीय विधायक मंजू सिवाच सहित क्षेत्र के सैकड़ों गणमान्य व्यक्तियों ने स्वर्गीय सुखबीर सिंह को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

राष्ट्रीय लोक दल के जिला उपाध्यक्ष चौधरी योगेश फफराना के पूजनीय पिताजी दिवंगत चौधरी सुखबीर सिंह की अरष्ठी अवसर पर श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें शामिल हुए सैकड़ों राजनीतिक एवं सामाजिक गणमान्य व्यक्तियों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि अर्पित की।इस अवसर पर सांसद डॉ राजकुमार सांगवान एवं क्षेत्रीय विधायक सहित पूर्व विधायक मास्टर राजपाल सिंह,राष्ट्रीय लोक दल के जिला अध्यक्ष चौधरी रामपाल सिंह,पूर्व राज्य मंत्री रामकिशोर अग्रवाल, रालोद महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष सुमन चौधरी, पालिका चेयरमैन मोदीनगर विनोद वैशाली, नगर पंचायत निवाड़ी के अध्यक्ष अनिल त्यागी, पूर्व पालिका अध्यक्ष राम आसरे शर्मा, योगेंद्र पतला, एडवोकेट अजय वीर सिंह,रालोद नेता डॉक्टर पूनम गर्ग,भाजपा नेता दीपक बडायला,भाजपा नेता डॉक्टर पवन सिंघल,पूर्व युवा रालोद जिला अध्यक्ष अमित सरना, सत्येंद्र तोमर,उमेदपाल भामरिक,तेजवीर डबाना,राम भरोसे लाल मोरिया आदि सैकड़ो की संख्या में गणमान्य व्यक्तियों ने दिवंगत आत्मा चौधरी सुखबीर सिंह को श्रद्धा-सुमन अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि दिवंगत चौधरी सुखबीर सिंह का निधन परिवार एवं समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके स्नेह, सरलता,व्यक्तित्व एवं सामाजिक योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा।

इबादत, अकीदत और इंसानियत के पैगाम के साथ मनाई बारावफात

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिले में बुधवार को बारावफात यानी ईद-मिलाद-उन-नबी का पर्व इबादत, अकीदत और आपसी भाईचारे की भावना के साथ मनाया गया।इस अवसर पर मुस्लिम बहुल इलाकों में धार्मिक आयोजन हुए और मस्जिदों में विशेष नमाज अदा कर पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब की सुन्नतों और उनकी शिक्षाओं पर चलने की दुआ की गई। वहीं, पर्व के अवसर पर विभिन्न मुस्लिम संस्थाओं और लोगों की ओर से जगह-जगह लंगर लगाकर गरीबों, जरूरतमंदों और राहगीरों को भोजन कराया गया। कई स्थानों पर लोगों ने फल और पानी भी वितरित किया।

ईद-मिलाद-उन-नबी के मौके पर जिले की कई मस्जिदों में नमाज के बाद विशेष दुआएं की गईं। धर्मगुरुओं और लोगों ने पैगंबर साहब की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने और समाज में प्रेम, भाईचारा, इंसानियत तथा सद्भाव को मजबूत करने का संकल्प लिया। कैला भा, इस्लाम नगर, सईद नगर, पसौंडा और लोनी सहित मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में पर्व को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। कई स्थानों पर लोगों ने सेवा कार्यों के माध्यम से पर्व की खुशियां साझा कीं। कहीं लंगर लगाकर लोगों को भोजन कराया गया तो कहीं केले, सेब और पानी की बोतलें बांटी गईं। राहगीरों और जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय लोग और विभिन्न संस्थाओं के सदस्य दिनभर सेवा कार्य में जुटे रहे। लोगों का कहना था कि जरूरतमंदों की मदद करना और भूखों को भोजन कराना पर्व की मूल भावना के अनुरूप है। इस दौरान धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सेवा और मानवता का संदेश भी देखने को मिला।

मोदी कॉलेज छात्रों के तीन स्वर्ण पदक और दो रजत पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया

यू पी स्टेट कराटे प्रतियोगिता खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले छात्रों को शानदार ट्रैक सूट दिया जाएगा- प्रधानाचार्य

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ के एन मोदी के छात्रों ने कराटे मे जीते 3 स्वर्ण पदक लखनऊ में प्रदेश स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर के छात्रों ने तीन स्वर्ण पदक और दो रजत पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया।विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में विद्यालय के खेल शिक्षक राजीव सिंह के नेतृत्व में कुल आठ छात्रों ने प्रतिभाग किया ।यह प्रदेश स्तरीय कराटे प्रतियोगिता दिनांक 17 अगस्त से 20 अगस्त तक केडी सिंह बाबू स्टेडियम लखनऊ में आयोजित की गई थी । विद्यालय आने पर प्रधानाचार्य और शिक्षकों ने एक सम्मान समारोह आयोजित कर प्रार्थना स्थल पर इन छात्रों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया और उनको इसी तरह राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतिभाग कर जनपद ही नहीं प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।छात्र हर्ष कक्षा 11E1 तथा ऋषभ कक्षा 8 डी और वंश कक्षा 9 b2 ने स्वर्ण पदक और आशीष कक्षा 8ई और अतुल कक्षा 12 b2 ने रजत पदक प्राप्त किया। स्वर्ण पदक जीतने वाले तीनों छात्र और राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नेतृत्व करेंगे इस उपलब्धि के लिए सभी शिक्षकों एवं प्रबंध समिति ने भी शुभकामनाएं और बधाई दी। प्राचार्य ने बताया प्रदेश स्तर पर प्रतिभाग करने वाले सभी छात्रों को ट्रैकसूट देकर सम्मानित किया जाएगा प्रधानाचार्य ने यह भी बताया कि हमारे विद्यालय के छात्र प्रतिवर्ष प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेलों में प्रतिभाग कर विद्यालय ही नहीं जनपद और मंडल का नाम रोशन करते हैं । इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार सिंह खेल प्रशिक्षक राजीव सिंह व प्रीति शर्मा, संजीव कुमार,राजीव कुमार ,प्रवीण जैनर ,गौरव त्यागी आदि का सहयोग सराहनीय रहा।इस समारोह के अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

27वीं मंजिल से गिरा पीएचडी छात्र, संदिग्ध मौत से सोसाइटी में मचा हड़कंप

मृतक वैभव सिंह

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। विजयनगर थाना क्षेत्र के सिद्धार्थ विहार स्थित प्रतीक ग्रैंड सोसाइटी में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब 24 वर्षीय पीएचडी छात्र वैभव सिंह की 27वीं मंजिल से गिरकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वैभव सिंह दिल्ली के देशबंधु कॉलेज से पीएचडी की पढ़ाई कर रहा था। वह मूल रूप से जोधपुर, राजस्थान का रहने वाला था और गाजियाबाद में अपनी बुआ के यहां रह रहा था।

युवक की अचानक हुई मौत से परिवार और परिचित भी सदमे में हैं। पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। वहीं, रिश्तेदार भी फिलहाल मौत के कारणों को लेकर कुछ स्पष्ट नहीं बता पा रहे हैं। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की बारीकी से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने और अन्य आवश्यक तथ्यों के सामने आने के बाद ही वैभव की मौत की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी।

पैरेंट्स डे पर बच्चों ने बांधा समां, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जीता अभिभावकों का दिल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दयावती मोदी पब्लिक स्कूल की प्राइमरी विंग में सोमवार को पैरेंट्स डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अभिभावकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में अभिभावकों के प्रति सम्मान, प्रेम और परिवार के महत्व की भावना को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों की विभिन्न प्रस्तुतियों के साथ हुआ। एलकेजी के विद्यार्थियों ने वेलकम डांस प्रस्तुत कर अतिथियों और अभिभावकों का स्वागत किया। नर्सरी के बच्चों ने जंगल डांस के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई। वहीं छोटे बच्चों ने सुंदर नृत्य प्रस्तुतियों से खूब तालियां बटोरीं। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य वी.के. राणा, उपप्रधानाचार्य डॉ. गुरमीत गुप्ता, डॉ. रश्मि तिवारी, मिडिल विंग इंचार्ज रिया बधवार मेनन, प्राइमरी विंग इंचार्ज तथा विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी प्रस्तुतियों की सराहना की। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय बेहद आवश्यक है। ह्यबंधनह्न केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि परिवार, विद्यालय और बच्चों के बीच विश्वास, प्रेम, संस्कार एवं आत्मीयता को मजबूत करने का माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की ओर से अभिभावकों के सहयोग और सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया गया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने समारोह को यादगार बना दिया। शिक्षकों के समर्पण और बच्चों के प्रयासों की भी सराहना की गई। कार्यक्रम का समापन प्रेम, सम्मान और पारिवारिक मूल्यों का संदेश देते हुए हुआ।

आगामी पेराई सत्र में किसानों को समय पर मिलेगा गन्ना मूल्य भुगतान

मोदी शुगर मिल किसानों के भुगतान को लेकर प्रतिबद्धः वेदपाल मलिक

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मोदी शुगर मिल के अध्यासी एवं उपाध्यक्ष वेदपाल सिंह मलिक ने बताया कि मोदी शुगर मिल द्वारा विगत पेराई सत्र 2025-26 में 75.28 लाख कुन्तल गन्ने की खरीद की गयी थी। जिसका कुल गन्ना मूल्य 297.27 करोड़ रुपए था। गन्ना मूल्य का समस्त भुगतान कर दिया गया है।

वीरपाल मलिक ने कहा कि पेराई सत्र में किसानों से यह वादा किया गया था कि आगामी पेराई सत्र 2026-27 प्रारम्भ होने से पूर्व ही कर दिया जायेगा।

आगामी पेराई सत्र 2026-27 में मोदी शुगर मिल द्वारा किसानों का गन्ना मूल्य का भुगतान समय पर होता रहेगा। किसान भाई अपने गन्ने की आपूर्ति अधिक से अधिक अपनी मोदी शुगर मिल को ही करें।

जिन किसान भाईयो के पास सट्टे से अधिक गन्ना है, वे किसान अपना अतिरिक्त सट्टा करा लें।

मोदी शुगर मिल को पेराई सत्र 2026-27 में लगभग 100 लाख कुन्तल गन्ने की पेराई वास्ते आवश्यकता है। किसान भाई अपने गन्ने की देखभाल करते रहे खड़े गन्ने को गिरने से बचाने के लिए गन्ने की बन्धाई अवश्य कराये। गन्ने में कोई भी रोग के लक्षण दिखाई दे तो तुरंत गन्ना विभाग में सम्पर्क करे।

खोये के नाम पर सेहत से खिलवाड़: खाद्य सुरक्षा टीम ने पकड़ा मिलावट का खेल

सुरेश मिश्रा, असिस्टेंट कमिश्नर, खाद्य विभाग

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। भोजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कलछिना में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मिलावटी खोया बनाने के ठिकाने पर छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। सहायक आयुक्त खाद्य मेरठ मंडल विनीत कुमार यादव और सहायक आयुक्त-2 सुरेश मिश्र के नेतृत्व में मंडलीय व जनपद की संयुक्त टीम ने पुलिस के साथ कारोबारी यामीन के परिसर पर छापा मारा। जांच के दौरान टीम ने मौके से 160 किलो खोया, पांच बोरी स्किम्ड मिल्क पाउडर, सिंथेटिक कलर, फॉर्मेलिन, सोडियम बाई काबोर्नेट और वनस्पति फैट के 17 टिन बरामद किए। खाद्य पदार्थों व अन्य सामग्री के कुल नौ नमूने जांच के लिए संग्रहित किए गए। अधिकारियों ने मौके पर मिला 160 किलो खोया नष्ट करा दिया। पांच भट्ठियां, दो बड़ी कड़ाही व अन्य उपकरण भोजपुर पुलिस के सुपुर्द कर दिए गए। मामले में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

योगी सरकार का मातृशक्ति को बड़ा तोहफा, 60 पार महिलाओं का बस सफर मुफ्त

रक्षाबंधन पर बहनों को सौगात, तीन दिन बसों में निःशुल्क यात्रा

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ से 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का शुभारंभ किया। इसके तहत उत्तर प्रदेश की 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं को UPSRTC बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी।

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण गाजियाबाद के हिंदी भवन, लोहिया नगर में किया गया, जहां करीब 500 महिलाएं मौजूद रहीं। रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश सरकार ने सभी माताओं, बहनों और बेटियों को भी 27 अगस्त सुबह 6 बजे से 29 अगस्त मध्यरात्रि तक निःशुल्क बस यात्रा का उपहार दिया है। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता है। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष चैन पाल सिंह, मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, सिटी मजिस्ट्रेट सतीश चंद्र त्रिपाठी सहित प्रशासन और परिवहन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री ने 11 महिलाओं को मंच पर साड़ी और मिष्ठान भेंट कर सम्मानित किया, जबकि उपस्थित सभी महिलाओं को भी उपहार दिए गए।

पेपर रोल में लगी भीषण आग पर फायर सर्विस ने पाया काबू, आसपास की फैक्ट्रियां बचीं

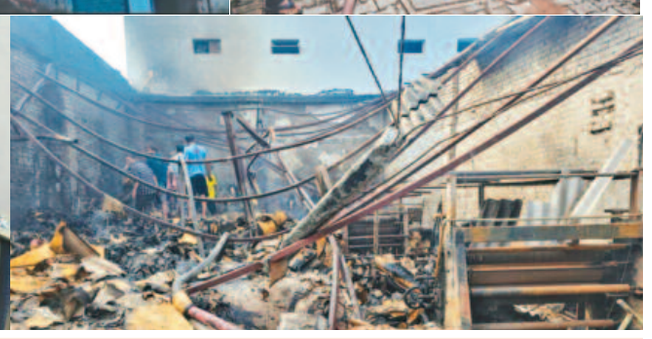

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद के कड़कड़ मॉडल साइट-4 स्थित यक्षित पेपर मार्ट में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन साहिबाबाद की टीम तीन फायर टेंडरों के साथ मौके पर पहुंची। फैक्ट्री में रखे पेपर रोल में लगी आग तेजी से विकराल हो गई थी और आसपास की फैक्ट्रियों तक फैलने का खतरा पैदा हो गया था।

आग की भयावहता को देखते हुए वैशाली फायर स्टेशन से अतिरिक्त वाटर बाउजर भी मंगवाया गया। जेसीबी की मदद से पेपर रोल को हटाकर अंदर दबी आग को बुझाया गया। फायर कर्मियों ने कड़ी मशक्कत और साहस का परिचय देते हुए आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

फायर सर्विस की त्वरित कार्रवाई से आसपास की फैक्ट्रियां सुरक्षित बच गईं और एक बड़ी दुर्घटना टल गई। राहत की बात यह रही कि अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने फायर सर्विस के सराहनीय कार्य की प्रशंसा की।

गाजियाबाद में 'पोस्टर वार': सपा प्रमुख को निशाना बनाते होडिंगों से बढ़ी राजनीतिक सरगर्मी

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। शहर में समाजवादी पार्टी के खिलाफ लगाए गए होडिंगों ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। बताया जा रहा है कि मंगलवार रात अलग-अलग स्थानों पर ये होर्डिंग लगाए गए। अंबेडकर रोड, गांधी नगर और मोदी नगर समेत कई इलाकों में लगे होडिंगों में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की तस्वीर के साथ जातिगत टिप्पणी अंकित की गई है। अचानक रात के समय लगाए गए इन होडिंगों को लेकर लोगों में चचाओं का दौर शुरू हो गया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि होडिंग किसने और किस उद्देश्य से लगवाए हैं। मामले को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है और तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। वहीं, इस पोस्टर हमले पर अभी तक समाजवादी पार्टी के किसी नेता की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। होडिंग लगाने वालों की पहचान को लेकर भी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है। मामला अब शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

गाजियाबाद में स्वाइन फ्लू ने बढ़ाई चिंता, 7 मरीजों में H1N1 की पुष्टि; स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते संक्रमण के बीच गाजियाबाद में भी स्वाइन फ्लू के सात मरीजों में H1N1 संक्रमण की पुष्टि हुई है। राहत की बात यह है कि सभी मरीजों की हालत सामान्य बताई जा रही है। इनमें चार मरीज अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि तीन का इलाज घर पर चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग सभी संक्रमित मरीजों की लगातार निगरानी कर रहा है।

सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में इन दिनों सर्दी, जुकाम, खांसी और बुखार के मरीजों की संख्या भी बढ़ी है। जिला अस्पताल में प्रतिदिन 200 से अधिक मरीज इन शिकायतों के साथ पहुंच रहे हैं। सीएमओ डॉ. सचिन वैश्य ने बताया कि H1N1 सामान्य फ्लू की तरह फैलने वाला संक्रमण है और घबराने की जरूरत नहीं, बल्कि सावधानी बरतना जरूरी है। स्वास्थ्य विभाग थ्री-टी-ट्रैकिंग, टेस्टिंग और ट्रीटमेंट के तहत काम कर रहा है। विभाग ने लोगों से लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेने, खांसते-छींकते समय मुंह ढकने, हाथों को बार-बार धोने, भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क लगाने और बिना डॉक्टर की सलाह दवा न लेने की अपील की है।

ऑपरेशन कन्विक्शन की बड़ी सफलता: हत्या के दोषी को आजीवन कारावास, 25 हजार का जुमार्ना

श्री रवि शर्मा
सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता

मु0आ0 सतकुमार
पैरोकार कन्विक्शन सेल

मु0आ0 रणजीत सिंह
पैरोकार थाना सिहानीगेट

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस की 'ऑपरेशन कन्विक्शन' के तहत प्रभावी पैरवी के चलते हत्या के एक मामले में आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट संख्या-07 ने बुधवार को दोषी गौरव निवासी झंडापुर, थाना लिंक रोड को धारा 302 भादवि के तहत आजीवन कारावास के साथ 25 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। मामला 3 अप्रैल 2024 का है। आरोप है कि गौरव ने वादी के भाई के सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी। इस संबंध में थाना लिंक रोड में हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया था।

पुलिस आयुक्त के निर्देशन में गठित कन्विक्शन सेल, विवेचक तत्कालीन थानाध्यक्ष महिला उपनिरीक्षक प्रीति सिंह की विवेचना तथा सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता रवि शर्मा की प्रभावी पैरवी के बाद न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए यह सजा सुनाई।

डासना जेल में रिश्तों की डोर: बंदियों ने अपने हाथों से तैयार कीं 5 हजार सुंदर राखियां

गाजियाबाद जेलर सीताराम शर्मा

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। रक्षाबंधन के पावन पर्व को लेकर डासना जिला कारागार में भी खास तैयारियां चल रही हैं। जेल में बंद पुरुष और महिला बंदी अपने हाथों से सुंदर और आकर्षक राखियां तैयार कर रहे हैं। अब तक बंदियों द्वारा करीब 5 हजार राखियां बनाई जा चुकी हैं। जेल प्रशासन के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य रक्षाबंधन के अवसर पर बंदियों को पारिवारिक और आत्मीय माहौल का एहसास कराना है।

प्रशासन चाहता है कि जब बंदियों के परिजन उनसे मिलने जेल पहुंचें, तो उन्हें जेल जैसा माहौल महसूस न हो। विशेष रूप से महिला बंदियों के लिए ऐसा वातावरण बनाने की कोशिश की जा रही है, जिससे उन्हें यह एहसास हो कि वे जेल नहीं, बल्कि अपने मायके आई हैं।

जेल प्रशासन की इस मानवीय पहल से रक्षाबंधन के पर्व पर रिश्तों की मिठास और भाई-बहन के प्रेम का संदेश जेल की चारदीवारी के भीतर भी देखने को मिलेगा।

किशोरी के फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर डाले, विरोध करने पर रिश्तेदारों को भी भेजे

वेलकम इंडिया संवाददाता

लोनी। लोनी थाना क्षेत्र में एक युवक पर पड़ोस में रहने वाली नाबालिग किशोरी के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का आरोप लगा है। परिजनों का आरोप है कि युवक ने सोशल मीडिया पर फोटो-वीडियो डालने के साथ ही विरोध किए जाने के बाद उन्हें किशोरी के रिश्तेदारों को भी भेज दिया। मामले की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित परिवार के अनुसार, उनके पड़ोस में रहने वाले जुबैर के पास उनकी नाबालिग बेटी के कुछ फोटो और वीडियो थे। आरोप है कि जुबैर ने इन फोटो और वीडियो को अपने सोशल मीडिया खाते से पोस्ट कर दिया। जब परिवार को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने आरोपी का विरोध किया और फोटो-वीडियो हटाने के लिए कहा। आरोप है कि विरोध के बाद भी आरोपी ने अपनी हरकत बंद नहीं की और फोटो-वीडियो किशोरी के रिश्तेदारों को भी भेज दिए। घटना के बाद किशोरी के परिजनों ने मामले की शिकायत लोनी थाना पुलिस से की। परिजनों ने पुलिस को बताया कि आरोपी द्वारा सोशल मीडिया पर फोटो-वीडियो प्रसारित किए जाने से परिवार को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। सहायक पुलिस आयुक्त लोनी राम किशन ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

इंदिरापुरम में पुलिस मुठभेड़: स्नैचर के पैर में लगी गोली, तमंचा और अपाचे बाइक बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना इंदिरापुरम पुलिस ने चेकिंग के दौरान मुठभेड़ के बाद एक कथित स्नैचर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 25 अगस्त 2026 को तिकोना पार्क और सेक्टर-62 कट के पास संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान गौर ग्रेविटी मॉल की ओर से बिना नंबर प्लेट की अपाचे मोटरसाइकिल पर एक युवक आता दिखाई दिया। रुकने का इशारा करने पर वह पुलिस पर फायरिंग कर भागने लगा। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी मनोज के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। उसके कब्जे से बिना नंबर प्लेट की अपाचे बाइक, पीली धातु का एक टुकड़ा, एक अवैध देसी तमंचा, दो खोखा और एक जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह अपने साथी संजय शर्मा के साथ बाइक और नंबर प्लेट बदलकर दिल्ली-गाजियाबाद एनसीआर में स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम देता था। पुलिस के अनुसार, दोनों ने करीब 15 दिन पहले इंदिरापुरम क्षेत्र में भी स्नैचिंग की घटना की थी। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है।

बारावफात व रक्षाबंधन से पहले ट्रैफिक अलर्ट, एसीपी ट्रैफिक ने संभाला मोर्चा

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। बारावफात एवं आगामी रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु और सुरक्षित बनाए रखने के लिए अपर पुलिस आयुक्त यातायात वरुण कुमार सिंह ने विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण किया। उन्होंने ट्रैफिक ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की ड्यूटियों का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस आयुक्त ने पुलिसकर्मियों को विशेष सतर्कता बरतने और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान प्रमुख बाजारों और व्यस्त मार्गों पर जाम की स्थिति न बनने पाए तथा आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। पुलिसकर्मियों को मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने और यातायात व्यवस्था पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए गए।

चोरी की बाइक लेकर घूम रहा था शातिर बदमाश, चेकिंग में पुलिस के हत्थे चढ़ा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान चोरी की बाइक के साथ एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान इरफान अली उर्फ आतंक निवासी पूर्वी मुस्तफाबाद, लोनी के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी चोरी और मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं में पहले भी शामिल रहा है। उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में स्नैचिंग, वाहन चोरी, घर में चोरी, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट समेत आठ मुकदमे दर्ज हैं। सहायक पुलिस आयुक्त लोनी रामकिशन ने बताया कि ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस मंगलवार देर रात क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों और लोगों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने एक युवक को संदिग्ध परिस्थितियों में बाइक के साथ आते देखा। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की और बाइक के संबंध में कागजात मांगे। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर पुलिस ने बाइक की जांच की, जिसके बाद उसके चोरी की होने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथी अनीश उर्फ धप्पो के साथ मिलकर लोनी के इकराम नगर से यह बाइक चोरी की थी।